भारत की राष्ट्रपति 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करेंगी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

रैपर बादशाह के चंडीगढ़ नाइट क्लब पर हमला, दिल्ली पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 231 | रायपुर | गुरूवार 14 अगस्त 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

चाईबासा में सुरक्षाबल और नक्सलियों के बीच एनकाउंटर, एक नक्सली ढेर

चाईबासा एजेंसी

पश्चिमी सिंहभूम जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है. यह मुठभेड़ गोइलकेरा थाना क्षेत्र के सौता में हुई. इस दौरान दोनों ओर से कई राउंड फायरिंग हुई. जानकारी के मुताबिक, एक नक्सली का शव बरामद हुआ है. वहीं एक एसएलआर राइफल भी बरामद हुए हैं. आईजी अभियान डॉ माइकल राज ने बताया कि चाईबासा के गोइलकेरा में मुठभेड़ चल रही है. इसमें नक्सली हताहत भी हुए हैं. सर्च अभियान अभी जारी है. बता दें कि जिले के नक्सल प्रभावित इलाकों में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है. इसी क्रम में गोइलकेरा में भी सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था, तभी जंगल पहाड़ी इलाके सौता के पास सुबह-सुबह पुलिस जवानों को देखकर नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी. जवाबी कार्रवाई में सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस के जवानों की ओर से भी फायरिंग शुरू कर दी गई. जिसमें एक नक्सली के मारे जाने की खबर है. गौरतलब है कि लगातार चाईबासा के सारंडा इलाके में माओवादियों के खिलाफ पुलिस अभियान चला रही है।

बीजेपी का सोनिया गांधी पर बड़ा हमला, कहा–

नागरिकता मिलने से पहले ही वोटर लिस्ट में जुड़ गया था सोनिया गांधी का नाम

अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी से सवाल पूछा कि आपको किस बात का डर है?

एजेंसी

नई दिल्ली. भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने बुधवार को कांग्रेस पर बड़ा पलटवार करते हुए आरोप लगाया है कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी का नाम भारतीय नागरिकता मिलने से सालों पहले ही अवैध रूप से मतदाता सूची में जोड़ दिया गया था. पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने दावा किया कि इटली में जन्मीं सोनिया गांधी का नाम 1980 से 1982 तक मतदाता सूची में शामिल था, जबकि उन्हें भारतीय नागरिकता अप्रैल 1983 में मिली थी।

इस मामले को लेकर बीजेपी नेता अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स पर एक पोस्ट भी किया. मालवीय ने 1980 की मतदाता सूची के एक हिस्से की फोटोकॉपी साझा करते हुए कहा कि इसमें सोनिया गांधी का नाम एक मतदाता के तौर पर दर्ज था, जबकि उस समय वह भारत की नागरिक नहीं थीं. उन्होंने कहा कि यह उस कानून का स्पष्ट उल्लंघन था, जिसके तहत मतदाता के रूप में पंजीकरण के लिए भारतीय नागरिक होना अनिवार्य है. मालवीय ने दावा किया कि 1968 में राजीव गांधी से विवाह के बाद सोनिया गांधी का नाम उस समय सूची में जोड़ा गया जब गांधी परिवार तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आधिकारिक आवास में रहता था. उन्होंने कहा कि 1980 के लोकसभा चुनाव से पहले नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र की मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान यह नाम शामिल किया गया था, जिसे 1982 में एक हंगामे के बाद सूची से हटाया गया. मालवीय ने यह भी आरोप लगाया कि 1983 में भारतीय नागरिकता मिलने के बाद उनका नाम फि र से जोड़ना भी धोखाधड़ी थी. उन्होंने दावा किया कि इसके लिए कट-ऑफ तारीख 1 जनवरी थी, लेकिन सोनिया गांधी को नागरिकता अप्रैल में मिली थी। वहीं, अनुराग ठाकुर ने इन आरोपों के साथ-साथ पिछले साल महाराष्ट्र और कर्नाटक में मतदाता धोखाधड़ी को लेकर राहुल गांधी पर भी हमला बोला. उन्होंने कांग्रेस सांसद पर झूठ बोलने और गलत आंकड़े पेश करने का आरोप लगाया। अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी से सवाल पूछा कि आपको किस बात का डर है? आप हलफ नामा नहीं देते, सबूत नहीं देते, झूठे आरोप लगाते हैं और भाग जाते हैं। उन्होंने कहा, ÷चुनाव के दौरान भ्रम फैलाना आपका तरीका बन गया है। बार-बार सबूत देने के अनुरोध के बावजूद, आपने मतदाता सूची के मुद्दे को संवैधानिक संस्थाओं के सामने उठाने से परहेज किया। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ने इसका पालन नहीं किया।

बिहार चुनाव में अपनी हार देख कांग्रेस झूठे आरोप लगा रही : अनुराग ठाकुर

भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनुराग ठाकुर ने 'मतदाता सूची' को लेकर विपक्ष के आरोपों पर पलटवार किया है। अनुराग ठाकुर ने दावा किया कि बिहार विधानसभा चुनाव में अपनी हार देखकर कांग्रेस और उसके सहयोगी दल झूठे आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आत्मचिंतन करने की बजाय कांग्रेस ने हर हार के बाद नया बहाना ढूंढने का काम किया। अगर किसी के नेतृत्व में 90 बार चुनाव हारने का रिकॉर्ड है, तो वह राहुल गांधी का नेतृत्व है लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर आरोपों के बाद भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा, अगर किसी के नेतृत्व में 90 बार चुनाव हारने का रिकॉर्ड है, तो वह राहुल गांधी का नेतृत्व है। जब चुनाव हारते हैं, तो वे ईवीएम पर सवाल उठाते हैं या मतदाताओं को दोष देते हैं। पार्टी के भीतर भी राहुल गांधी के नेतृत्व पर सवाल उठाए जाते हैं।

तांत्रिक से इलाज कराएं राहुल गांधी, ताकि ठीक रहे दिमाग

एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान अपने चुटीले अंदाज में राहुल गांधी और कांग्रेस पर ताबड़तोड़ हमले बोले। बुधवार को पिपली की अनाजमंडी में प्रजापति परिवारों को पात्रता प्रमाण पत्र वितरण समारोह के बाद आयोजित तिरंगा यात्रा के दौरान पत्रकारों से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कांग्रेस द्वारा चुनावों और ईवीएम में गड़बड़ी के आरोपों पर कहा कि यदि चुनाव में गड़बड़ी होती तो पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी चुनाव नहीं जीत पाते।

हरियाणा में कांग्रेस 10 सीटें 100 से एक हजार वोटों के अंतर से जीती है। यदि गड़बड़ी होती तो कांग्रेस वे सीटें न जीतती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह अपना मानसिक संतुलन खो चुकी है। राहुल गांधी को तांत्रिक से इलाज कराना चाहिए ताकि उनका दिमाग ठीक रहे। अगर राहुल गांधी का तांत्रिक से भी इलाज नहीं होता तो स्पष्ट है कि झूठ का कोई इलाज नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस केवल प्रदेश की जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है, लेकिन जनता समझदार है और कांग्रेस की सच्चाई जानती है। कांग्रेसी नेता कहते रहे कि यदि तीसरी बार नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने तो संविधान को खतरा हो जाएगा।

राहुल गांधी और इंडी गठबंधन के नेता संविधान को साथ लेकर प्रचार करते रहे, परंतु देश की जनता ने इनकी झूठी बातों पर विश्वास नहीं किया और तीसरी बार नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाया। हरियाणा में भी तीसरी बार नॉन स्टॉप भाजपा की सरकार बनी।

मुकेश अंबानी ने लगातार दूसरी बार भी किया टॉप, अडानी पिछड़े, दूसरे नंबर पर बिरला

एजेंसी – मुंबई। देश के सबसे अमीर शख्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुखिया मुकेश अंबानी ने एक बार अपना जलवा बिखेरा है. ताजा जानकारी के मुताबिक लगातार दूसरे साल अरबपति मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाले अंबानी परिवार ने संपत्ति के मामले में अपने सभी विरोधियों को पछाड़ दिया है.

मोस्ट वैल्यूएबल फैमिली बिजनेस की लिस्ट में मुकेश अंबानी पहले पायदान पर हैं. उसके बाद दूसरे नंबर पर बिरला परिवार का नाम है. बीते दिन जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई. इस लिस्ट के मुताबिक मुकेश अंबानी के पास करीब 28 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है, जो अडानी परिवार की 14.01 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति से दोगुनी से भी अधिक है. 2025 हुरुन इंडिया के सबसे मूल्यवान पारिवारिक व्यवसाय लिस्ट के अनुसार अंबानी ग्रुप ने लगातार दूसरे साल इस मुकाम को हासिल किया है. इस परिवार के पास 28 लाख करोड़ की संपत्ति है, जो भारत की जीडीपी का लगभग 12वां फीसदी है।

हर घर तिरंगा : राष्ट्रप्रेम को प्रबल करने वाला जन–अभियान : शाह ने घर पर फहराया राष्ट्रीय ध्वज

नईदिल्ली,एजेंसी

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर राष्ट्रीय ध्वज लगाया है। 15 अगस्त के मद्देनजर भारत सरकार ने देशभर में 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत की है, जिसमें लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान देश को एकता के सूत्र में पिरोने और राष्ट्रप्रेम की भावना को और भी प्रबल बनाने वाला जन-अभियान बन गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पत्नी के साथ अपने आवास की छत पर तिरंगा झंडा लगाया। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की तस्वीरें भी साझा की हैं। शाह ने लिखा, आज हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत अपने आवास पर तिरंगा फहराया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में शुरू हुआ 'हर घर तिरंगा' अभियान आज देश को एकता के सूत्र में पिरोने और राष्ट्रप्रेम की भावना को और भी प्रबल बनाने वाला जन-अभियान बन गया है। यह अभियान दर्शाता है कि असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने त्याग, तप और समर्पण से जिस आजाद भारत का सपना साकार किया था, उसे विकसित और सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए 140 करोड़ देशवासी संकल्पित हैं।

इसी बीच, दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत जनकपुरी में तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। आशीष सूद ने अपने विधानसभा क्षेत्र जनकपुरी के सी1 ब्लॉक से डाबरी चौराह तक पैदल तिरंगा यात्रा निकाली। इस यात्रा में शिक्षा मंत्री आशीष सूद के साथ सांसद कमलजीत सहरावत मौजूद रहीं। कई स्कूलों के बच्चे भी शामिल हुए। देश में चल रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत नागरिकों को 13 से 15 अगस्त के बीच अपने घरों और कार्यस्थलों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार की जमानत रद्द

नईदिल्ली,संवाददाता। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार की जमानत रद्द कर दी है और उनको एक हफ्ते में जेल वापस लौटने को कहा है। सुशील जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियन सागर धनखड़ की हत्या के आरोप में तिहाड़ जेल में बंद थे। उनको दिल्ली हाई कोर्ट ने 4 मार्च को नियमित जमानत दी थी। न्यायमूर्ति संजय करोल और प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने धनखड़ के पिता की याचिका पर सुशील की जमानत रद्द की है। मई 2023 में वर्चस्व की लड़ाई को लेकर दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम की पार्किंग में सुशील और अन्य साथियों ने धनखड़ पर हमला कर दिया, जिसके कुछ दिन बाद धनखड़ की मौत हो गई। उनके बीच किसी फ्लैट को लेकर विवाद था।

पाक आईएसआई को खुफिया जानकारी भेजने का आरोप डीआरडीओ गेस्ट हाउस प्रबंधक जैसलमेर से गिरफ्तार

जैसलमेर, एजेंसी।

राजस्थान के जैसलमेर में स्थित रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के एक गेस्ट हाउस प्रबंधक को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी महेंद्र प्रसाद सिंह (32) पर पाकिस्तान खुफिया एजेंसी आईएसआई को गुप्त जानकारी भेजने का आरोप है। वह उत्तराखंड का रहने वाला है। महेंद्र पर काफी नजर रखने के बाद राजस्थान पुलिस की खुफिया शाखा ने चंदन फील्ड फायरिंग रेंज के पास स्थित गेस्ट हाउस से पकड़ा है। वह संविदा पर कार्यरत है। खुफिया एजेंसियां चौकन्नी हैं। तभी 4 अगस्त को शक के आधार पर सुरक्षा एजेंसियों ने उसे हिरासत में लिया और जैसलमेर से जयपुर ले आए। लगभग 8 दिन तक लंबी पूछताछ के बाद उसने कई खुलासे किए। उसके मोबाइल से भी चौंकाने वाली जानकारी मिली है। इसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया है। गुप्ता ने बताया कि डीआरडीओ गेस्ट हाउस पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में है। यहां महेंद्र के मोबाइल पर पाकिस्तान से संदिग्ध कॉल आने की सूचना मिली, जिसके बाद जांच शुरू की गई। महेंद्र ने मिसाइल और हथियार शाखा के पुलिस महानिरीक्षक विष्णुकांत गुप्ता ने बताया कि अल्मोड़ा जिले के पल्यूं का रहने वाला महेंद्र 2018 से यहां कार्यरत था। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर परीक्षण के लिए फायरिंग रेंज में आने वाले डीआरडीओ वैज्ञानिकों और सैन्य अधिकारियों की जानकारी पाकिस्तान स्थित अपने आकाओं को दी थी।

विदेश | नवंबर, 2024 में रूस में प्रधानमंत्री मोदी और जिनपिंग की मुलाकात हुई थी

भारत–चीन के बीच सीधी उड़ान, प्रधानमंत्री मोदी का दौरा, करीब आ रहे हैं दोनों देश?

एजेंसी। । साल 2020 में गलवान में हुई हिंसक झड़प के बाद भारत और चीन के संबंध बेहद खराब हो गए थे। हालांकि, अब दोनों देश धीरे-धीरे रिश्तों को सुधारने के प्रयास कर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से ये प्रयास और तेज हो गए हैं। सितंबर से दोनों देशों के बीच सीधी उड़ान शुरू हो जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने के अंत में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में शामिल होने के लिए चीन जा रहे हैं। गलवान हिंसा के बाद उनका ये पहला चीन दौरा होगा। वहां वे चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मुलाकात कर सकते हैं। इस सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी शामिल होंगे। ऐसे में भारत-चीन

के साथ-साथ भारत-रूस संबंधों के लिहाज से भी ये दौरा बेहद अहम होने वाला है।

खबर है कि सितंबर से भारत-चीन के बीच सीधी उड़ानें शुरू हो सकती हैं। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के दौरान इसकी औपचारिक घोषणा की जा सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत सरकार ने एयर इंडिया और इंडिगो जैसी एयरलाइन कंपनियों को चीन के लिए तत्काल उड़ानें संचालित करने के लिए तैयार रहने को कहा है। कोरोनावायरस महामारी के बाद से ही दोनों देशों के बीच यात्री उड़ानें बंद हैं।

नवंबर, 2024 में रूस में प्रधानमंत्री मोदी और जिनपिंग की मुलाकात हुई थी। इसमें सीमा से सैनिकों की वापस पर सहमति बनी थी। ये प्रक्रिया शुरू भी हो चुकी है। पिछले साल अक्टूबर में दोनों देशों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त को लेकर एक समझौता भी किया था। इसके बाद भारतीय सेना ने सीमा पर प्रमुख बिंदुओं पर दोबारा गश्त करना शुरू कर दिया है। भारतीय चरवाहों की भी आवाजाही सुनिश्चित हुई है।

रूस से तेल खरीदने पर ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। इस घोषणा के बाद चीन ने भारत के समर्थन में बयान दिया।

टैरिफ के घमासान के बीच पीएम मोदी की ट्रंप से हो सकती है मुलाकात !

अगले महीने यूएनजीए बैठक में होंगे शामिल

नई दिल्ली,एजेंसी।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा यहां जारी वक्ताओं की सूची के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के वार्षिक उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित कर सकते हैं. इस दौरान अमेरिका पीएम मोदी का अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात हो सकती है. ये सत्र 9 सितंबर को आरंभ होगा और ये 80वां सत्र है. ये बैठक 23 से 29 सितंबर के बीच होगी.

इसमें ब्राजील पारंपरिक रूप से सत्र का पहला वक्ता होगा. उसके बाद अमेरिका होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 23 सितंबर को प्रतिष्ठित यूएनजीए मंच से विश्व नेताओं को संबोधित करेंगे. व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल में यह उनका संयुक्त राष्ट्र सत्र को पहला संबोधन होगा.

महासभा के 80वें सत्र की उच्च स्तरीय बहस के लिए वक्ताओं की सूची के अनुसार भारत के शासनाध्यक्ष 26 सितंबर की सुबह सत्र को संबोधित करेंगे. इसी दिन इजराइल, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के शासनाध्यक्ष भी संयुक्त राष्ट्र महासभा की आम बहस को संबोधित करेंगे.

पीएम मोदी इस साल फरवरी में वाशिंगटन डीसी स्थित व्हाइट हाउस में ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक के लिए अमेरिका गए थे. बैठक के बाद जारी एक संयुक्त बयान में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप ने 2025 की शरद ऋतु तक पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण पर बातचीत करने की योजना की घोषणा की थी.

व्यापार वार्ता चल ही रही थी कि ट्रम्प ने भारत पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया, जिसमें भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत टैरिफ भी शामिल है जो 27 अगस्त से लागू होगा. टैरिफ पर प्रतिक्रिया देते हुए भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि देश को निशाना बनाना अनुचित और अविवेकपूर्ण है. इसमें कहा गया है कि भारत अपने हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा. पिछले सप्ताह ट्रंप द्वारा 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने संबंधी कार्यकारी आदेश की घोषणा ऐसे समय में की गई, जब प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए छठे दौर की वार्ता के लिए अमेरिका का एक दल 25 अगस्त से भारत के दौरे पर आएगा।

दोनों देश इस वर्ष शरद ऋतु (अक्टूबर-नवंबर) तक समझौते के पहले चरण को पूरा करने का लक्ष्य बना रहे हैं. संयुक्त राष्ट्र महासभा की आम बहस के लिए वक्ताओं की सूची अभी अस्थायी है और अगले कुछ हफ्तों में कार्यक्रम और वक्ताओं में बदलाव की संभावना है.

इस वर्ष यह सत्र इजराइल-हमास युद्ध और यूक्रेन संघर्ष के बीच आयोजित हो रहा है. ट्रंप ने कहा है कि अपने दूसरे राष्ट्रपति कार्यकाल के छह महीनों में उन्होंने कई युद्धों को सुलझाया है. इनमें आर्मेनिया और अजरबैजान, कंबोडिया और थाईलैंड, इजराइल और ईरान, रवांडा और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, मिस्र और इथियोपिया और सर्बिया और कोसोवो के बीच शांति समझौता शामिल है. ट्रंप ने बार-बार भारत और पाकिस्तान के बीच मई में हुए संघर्ष को रोकने का श्रेय लिया है।

चांदी के आभूषणों में भी होगा हॉलमार्क, 1 सितंबर से होगा लागू

नईदिल्ली,एजेंसी।

केंद्र सरकार चांदी के आभूषणों की हॉलमार्किंग के लिए एक नया नियम लागू कर सकती है। 1 सितंबर से हॉलमार्किंग स्वैच्छिक हो सकती है, जो सोने के लिए पहले लागू प्रक्रिया के समान होगी। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय मानक ब्यूरो ने चांदी के आभूषणों के 6 ग्रेड- 900, 800, 835, 925, 970 और 990 शुद्धता स्तर के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन्हें एक विशिष्ट 6-अंकीय हॉलमार्क विशिष्ट पहचान संख्या के साथ हॉलमार्क किया जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, इस नई प्रणाली का उद्देश्य वर्तमान में प्रचलित पुरानी हॉलमार्किंग पद्धतियों को बदलना है। सरकार ने इससे पहले 2021 में सोने की हॉलमार्किंग को अनिवार्य कर दिया था। चांदी की हॉलमार्किंग की शुरुआत के साथ उपभोक्ता और जौहरी चांदी के आभूषणों की शुद्धता और प्रामाणिकता के बारे में बेहतर आश्वासन की उम्मीद कर सकते हैं। उपभोक्ता बीआईएस केयर ऐप के वेरिफाई एचयूआईडी फीचर का उपयोग करके हॉलमार्क वाले आभूषणों की प्रामाणिकता सत्यापित कर सकेंगे।

नई दिल्ली के स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होगी लखपति दीदी खिलेश्वरी

नई दिल्ली के स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होगी लखपति दीदी खिलेश्वरी

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने प्रदेश की महिलाओं को कर रही है प्रेरित

रायपुर। बालोद जिले के गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम गब्दी की खिलेश्वरी ने अपनी मेहनत और लगन से न केवल आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम की है, बल्कि अब वह नई दिल्ली में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होने वाली है। लखपति दीदी के रूप में अपनी पहचान बनाने वाली खिलेश्वरी की यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे बालोद जिले के लिए गर्व का विषय है। नई दिल्ली में 15 अगस्त 2025 को आयोजित होने वाले 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में खिलेश्वरी का विशेष अतिथि के रूप में शामिल होना एक ऐतिहासिक क्षण है।

जिले के गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम गब्दी की खिलेश्वरी, दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' अंतर्गत के तहत गठित जय संतोषी स्व-सहायता समूह की सदस्य है जिनका परिवार कुछ समय पूर्व मुख्यतः कृषि मजदूरी पर निर्भर था किन्तु खिलेश्वरी देवांगन की परिवार को आगे बढ़ाने की ललक ने उन्हें एक नया मुकाम दिया है। उन्होंने अपनी मेहनत और उद्यमशीलता से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बदलाव की एक नई कहानी लिखी है। उन्होंने बिहान योजना के अंतर्गत मुर्गीपालन और किराना दुकान का संचालन शुरू किया, जिसके जरिए उन्होंने न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया, बल्कि लाखों रुपये की वार्षिक आय अर्जित कर लखपति दीदी का खिताब हासिल किया।

इन्होंने सर्वप्रथम दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़ने पश्चात् महिलाओं के संगठन तैयार करना तथा वित्तीय साक्षरता सामुदायिक स्त्रोत व्यक्ति के रूप में चयनित होकर महिलाओं को वित्तीय साक्षरता प्रदान कर रही है। इस कार्य के माध्यम से 02 करोड़ से अधिक की राशि क्षेत्र के समूहों को बैंक ऋण दिलाने में सहयोग रहा है।

इस सेवा हेतु मासिक 6360 रू. राशि मानदेय के रूप में प्राप्त हुआ है तथा खेती कार्य के साथ-साथ मुर्गीपालन, मछलीपालन, किराना दुकान, फैन्सी स्टोर्स गतिविधि प्रारंभ किया गया इस कार्य हेतु स्वयं के तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत प्रदाय की जाने वाली सीआईएफ की राशि का उपयोग कर मुर्गी शेड का निर्माण, मुर्गी पालन हेतु डिउक्कर फ्रीडर की व्यवस्था हेतु किया गया। खिलेश्वरी को सभी गतिविधियों के माध्यम से कुल 04 लाख 60 हजार रूपए वार्षिक आय प्राप्त हुई है। कभी घर तक सीमित रहने वाली खिलेश्वरी देवांगन अपने दृढ़ इच्छाशक्ति एवं दीनदयाल अंत्योदय योजना (बिहान) के सहयोग से आज ''लखपति दीदी'' के रूप में पहचान बना चुकी है और क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनकर उभरी है। खिलेश्वरी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को हृदय से धन्यवाद देते हुए कहा कि शासन की इन योजनाओं ने मुझे आत्मविश्वास और संसाधन दिए। मुर्गीपालन और किराना दुकान ने मेरे जीवन को बदला और आज मुझे दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने का मौका मिल रहा है। यह मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। खिलेश्वरी ने जिला प्रशासन बालोद का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन के निरंतर सहयोग से ही यह संभव हो पाया है कि ग्रामीण महिलाएं अब आत्मनिर्भर बनकर अपनी अलग पहचान बना पा रही हैं।

22 को कर्मचारियों का महाबंद : फेडरेशन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद समाज सुधारिका ममतामयी माँ के नाम से सु विख्यात मिनीमाताजी की 53वीं पुण्यतिथि पर उनकी राजधानी शहर के पुराना बस स्टैण्ड पंडरी में स्थित प्रतिमा के समक्ष उनका सादर नमन करने रखे गए गरिमामयी संक्षिप्त पुष्पांजलि आयोजन में पहुंचकर राजधानी शहर की प्रथम नागरिक नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने मिनीमाताजी का उनकी 53वीं पुण्यतिथि पर सादर नमन कर उन्हें समस्त राजधानीवासियों की ओर से आदरांजलि दी. नगर निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में नगर निगम जोन क्रमांक 2 के सहयोग से रखे गए पुष्पांजलि आयोजन में छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद समाज सुधारिका ममतामयी माँ के रूप में सुविख्यात मिनीमाताजी का 53वीं पुण्यतिथि पर प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर प्रमुख रूप से रायपुर नगर पालिक निगम के सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़, निगम संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी, निगम राजस्व विभाग के अध्यक्ष श्री अवतार भारती बागल, नगर निगम रायपुर के पूर्व पार्षद श्री सुन्दरलाल जोगी, छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष श्री के. पी. खांडे, छत्तीसगढ़ राज्य गुरू घासीदास शोध पीठ के पूर्व अध्यक्ष एवं नगर पालिक निगम रायपुर के सेवानिवृत्त अपर आयुक्त डॉक्टर जे. आर. सोनी, सेवानिवृत्त डीएफओ श्री एच. एल. रात्रे, सामाजिक कार्यकर्त्ता सर्वश्री सुन्दरलाल लहरे, एल. एल. कोसले, खेदु बंजारे, अंजोर दास बंजारे, बाबा डहरिया, सहित ,नगर निगम जोन 2 कार्यपालन अभियंता श्री पी. डी. धृतलहरे, नगर के विशिष्टजनों, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, महिलाओं, नवयुवकों, आमजनों, नगर निगम रायपुर के अधिकारियों, कर्मचारियों ने सादर नमन किया।

तिरंगा ध्वज स्वाभिमान, एकता और बलिदान का प्रतीक : संजय पाण्डे

जगदलपुर। हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में महापौर संजय पांडे ने कहा कि तिरंगा ध्वज केवल एक कपड़े का टुकड़ा नहीं, बल्कि हमारे स्वाभिमान, एकता और बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने ध्वज के तीनों रंगों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा केसरिया रंग साहस, त्याग और बलिदान का प्रतीक है, जो हमें राष्ट्रहित में निस्वार्थ भाव से कार्य करने की प्रेरणा देता है। सफेद रंग शांति, सत्य और पवित्रता का प्रतीक है, जो हमें आपसी भाईचारे और सौहार्द बनाए रखने का संदेश देता है। हरा रंग समृद्धि, विकास और जीवन का प्रतीक है, जो हमें प्रकृति संरक्षण और प्रगति की ओर प्रेरित करता है।

महापौर ने कहा हर घर का उत्सव, जन-जन का उत्सव तभी सार्थक होगा जब हमारी आने वाली पीढ़ी यह जाने कि कितने बलिदानों के बाद हमें स्वतंत्रता मिली है। हमारे देश में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत रहे, इसलिए ध्वज हर घर में लगाना आवश्यक है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान का उल्लेख करते हुए गीला और सूखा कचरा अलग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है, जिसे हर नागरिक को निभाना चाहिए।

मालूम हो कि हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता अभियान के तहत सोमवार को बोधघाट एसएलआरएम सेंटर में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस विशेष अवसर पर शहर के सभी एसएलआरएम सेंटर की स्वच्छता दीदीयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपने-अपने समूहों के साथ तिरंगे और स्वच्छता विषय पर आकर्षक व मनमोहक रंगोलियां बनाईं। इन रंगोलियों के माध्यम से स्वदेश प्रेम, पर्यावरण संरक्षण तथा स्वच्छता के महत्व का सशक्त संदेश दिया गया। हर रंगोली में देशभक्ति की भावना और स्वच्छता का संदेश रंगों के माध्यम से जीवंत रूप में नजर आया।जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडे ने इस अवसर पर कहा ऐसी प्रतियोगिताएं न केवल रचनात्मकता और कला को बढ़ावा देती हैं, बल्कि समाज में स्वच्छता और देशभक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने में भी अहम भूमिका निभाती हैं। हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता अभियान का मुख्य उद्देश्य है कि स्वच्छता और देशभक्ति दोनों की भावना जन-जन तक पहुँचे।

दो अलग-अलग घटनाओं से हड़कंप, डिलीवरी बॉय की चाकू मारकर हत्या, झाड़ियों में मिला एक अज्ञात शव

रायपुर । राजधानी रायपुर में रविवार को दो गंभीर घटनाओं ने शहर में सनसनी फैला दी। एक ओर पिज्जा डिलीवरी करने गए युवक की चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई, वहीं दूसरी ओर झाड़ियों में एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। दोनों मामलों में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पहली वारदात डीडी नगर थाना क्षेत्र की है, जहां पिज्जा डिलीवरी का काम करने वाले हेमंत कोठारी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार, हेमंत जब ऑर्डर देने पहुंचा, उसी दौरान आरोपी पप्पू यादव ने उससे पैसे की मांग की। हेमंत ने इनकार किया, जिससे नाराज होकर पप्पू ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। घायल अवस्था में हेमंत को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पप्पू यादव को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

दूसरी घटना अमानाका थाना क्षेत्र के रिंग रोड नंबर-2 के पास स्थित तेंदुआ गांव की है, जहां झाड़ियों में एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ। मृतक की उम्र करीब 40 से 45 वर्ष के बीच अनुमानित है। प्रारंभिक तौर पर मामला हत्या का लग रहा है, जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस इस मामले में मृतक की पहचान और मौत के कारणों की जांच कर रही है।

दोनों घटनाओं ने राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं और पुलिस ने मामलों की गंभीरता को देखते हुए तफ्तीश तेज कर दी है।

मुख्यमंत्री साय के हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी, सड़क मार्ग से रवाना हुए सारंगढ़-बिलाईगढ़ दौरे पर

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज अपने निर्धारित दौरे पर रवाना होने से पहले एक अप्रत्याशित स्थिति का सामना करना पड़ा। रायपुर के पुलिस ग्राउंड स्थित हेलीपैड पर उड़ान भरने से पहले उनके हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण उन्हें यात्रा स्थगित करनी पड़ी। फिलहाल तकनीकी टीम हेलीकॉप्टर की जांच कर रही है और खराबी को दुरुस्त करने में लगी है।

इस दौरान मुख्यमंत्री साय वेटिंग रूम में रुके रहे, जहां उनके साथ क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव भी मौजूद थे। तकनीकी गड़बड़ी के कारण मुख्यमंत्री ने हवाई मार्ग की जगह सड़क मार्ग से सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के लिए रवाना होने का निर्णय लिया।आज मुख्यमंत्री का सारंगढ़-बिलाईगढ़ और महासमुंद जिलों का दौरा निर्धारित है। वे सबसे पहले सारंगढ़-बिलाईगढ़ के चंदायी पहुंचकर दोपहर 12:20 से 12:35 बजे तक तिरंगा यात्रा में भाग लेंगे। इसके पश्चात वे नवनिर्मित भाजपा कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। दोपहर 2:10 बजे मुख्यमंत्री सारंगढ़ के शासकीय लोचन प्रसाद पांडेय महाविद्यालय के मैदान में आयोजित एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण अभियान में शामिल होंगे। इसके बाद उनका कारवां महासमुंद जिले की ओर बढ़ेगा, जहां बसना विकासखंड के ग्राम दुर्गापाली में वे वृहद वृक्षारोपण एवं चरण पादुका कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस अवसर पर सीएम साय की उपस्थिति में 251 सिंदूर के पौधे लगाए जाएंगे।मुख्यमंत्री का यह दौरा पर्यावरण संरक्षण, पार्टी संगठन विस्तार और जनसंपर्क के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

वर्ष 2025-26 में 11 लाख 56 हजार 970 लोगों का किया गया सर्वेक्षण

रायपुर। राष्ट्रीय अंधत्व एवं अल्प दृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम के प्रभावी संचालन से कभी धुंधलेपन और अंधेरे में घिरा जीवन, अब चमकती रोशनी और नई उम्मीदों से भरा हुआ है। यह बदलाव कलेक्टर रायगढ़ के मार्गदर्शन में जिले में सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि 29 नेत्र सहायक अधिकारियों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और मितानिनों के सहयोग से राष्ट्रीय अंधत्व एवं अल्प दृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सत्र 2025-26 में जिले के 11 लाख 56 हजार 970 लोगों का सर्वेक्षण किया गया। इस व्यापक अभियान में 3925 मोतियाबिंद के मरीजों की पहचान हुई, जिनमें 314 दोनों आंखों से, 3604 एक आंख से और 7 बच्चे जन्मजात मोतियाबिंद से पीड़ित पाए गए। जुलाई 2025 तक 1002 मरीजों के सफल ऑपरेशन हुए, जिनमें 183 दोनों आंखों के, 815 एक आंख के और 4 जन्मजात मोतियाबिंद के बच्चे शामिल रहे। प्रत्येक ऑपरेशन ने किसी न किसी के जीवन में फिर से उजाला भर दिया।विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए यूनिक आईडी कार्ड और दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने हेतु विशेष शिविर आयोजित किए गए, इसमें बाकारूमा और घरघोड़ा के बच्चों के माता-पिता को ऑपरेशन के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया गया, जिसके सफल इलाज के बाद उनकी आंखों की ज्योति लौट आई। स्कूल हेल्थ प्रोग्राम के तहत माह जुलाई तक 136 शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के 6586 विद्यार्थियों का नेत्र परीक्षण किया गया, इनमें 318 बच्चे दृष्टिदोष से पीड़ित पाए गए और उन्हें आवश्यकता अनुसार निःशुल्क चश्में प्रदान किए गए। कार्यक्रम के तहत विशेष रूप से दूरस्थ विकासखंडों और जनजातीय एवं पिछड़े क्षेत्र के बच्चों का नेत्र परीक्षण किया गया।

इनमें धरमजयगढ़ के ग्राम सूपकोना के 13 वर्षीय अनूप प्रकाश राठिया, रैरूमाखुर्द की 6 वर्षीय पूर्णिमा राठिया, घरघोड़ा के ग्राम बटूराकछार के 11 वर्षीय परदेशी यादव और रायगढ़ के कबीर चौक की 13 वर्षीय कुमारी दृष्टि राय का सफल मोतियाबिंद ऑपरेशन हुआ। अब ये बच्चे पहले की तरह साफ-साफ देख पा रहे हैं और पढ़ाई में अपना भविष्य संवार रहे हैं। रायगढ़ की यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि जब संवेदनशील नेतृत्व, संगठित टीमवर्क और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता मिलती है, तो हजारों जीवन में उजाला फैलाया जा सकता है। यह सिर्फ एक स्वास्थ्य कार्यक्रम नहीं, बल्कि दृष्टि, विश्वास और भविष्य लौटाने की कहानी है। इस मुहिम में जिला नोडल अधिकारी डॉ. मीना पटेल, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री रंजना पैकरा, डॉ. आर. एम. मेश्राम, डॉ. पी. एल. पटेल, डॉ. उषा किरण भगत, निजी नेत्र रोग विशेषज्ञों और स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही। जन्मजात मोतियाबिंद के बच्चों के माता-पिता ने कहा-यह सिर्फ इलाज नहीं, बल्कि हमारे बच्चों को नया जीवन देने जैसा है। उन्होंने शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

जमीन विवाद में उत्तर प्रदेश के दबंगों ने छत्तीसगढ़ के किसानों पर किया बर्बर हमला

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के सनवाल थाना क्षेत्र अंतर्गत तालकेश्वरपुर गांव में गंभीर मारपीट की घटना सामने आई है। यहां जमीन कब्जाने की नियत से उत्तर प्रदेश के कुछ दबंगों ने स्थानीय किसानों पर लाठी-डंडा और कुल्हाड़ी से हमला बोल दिया। इस हमले में चार से पांच किसान गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रामानुजगंज और वाड्रफनगर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कुछ घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर भी किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, करीब 20 से 25 लोग हथियारबंद होकर अचानक किसानों पर टूट पड़े। इस हिंसक संघर्ष ने इलाके में खलबली मचा दी। पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर मर्ग दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।सनवाल थाना प्रभारी गजपति मिरे ने बताया कि मामले की शिकायत मिली है और दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हुआ है, जिसमें कुछ लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस मामले को गंभीरता से ले रही है और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करेगी।यह घटना जमीन से जुड़े विवादों में बढ़ती हिंसा और बाहरी दबंगों द्वारा स्थानीय किसानों को धमकाने की गंभीर समस्या को उजागर करती है। इलाके में शांति बनाए रखने के लिए प्रशासन और पुलिस की सतर्कता आवश्यक हो गई है।

धर्मांतरण के विवाद में हिंसक संघर्ष, 8 परिवारों के कई सदस्य घायल

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में धर्मांतरण को लेकर जारी तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। ताजा घटना अंतागढ़ ब्लॉक के हवेचूर गांव की है, जहां चर्च से लौटे धर्मांतरित परिवारों पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। इस हमले में कई महिलाएं घायल हुई हैं, जिनमें शांति बाई दर्रो और बिसन्तिन दर्रो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायल लोगों को तत्काल कांकेर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।10 अगस्त की सुबह 8 धर्मांतरित परिवारों के सदस्य प्रार्थना सभा से लौटकर अपने रोजमर्रा के काम में लगे थे, तभी कुछ ग्रामीणों ने उन्हें पकड़कर पीटना शुरू कर दिया। पीड़ित हितेश कुमार ने आरोप लगाया कि उनकी मां शांति बाई दर्रो के साथ बेरहमी से मारपीट की गई, जबकि बिसन्तिन दर्रो गंभीर रूप से घायल हैं। वहीं, जागेश्वर उसेंडी के कान का पर्दा फटने की आशंका जताई जा रही है।राष्ट्रीय क्रिश्चन मोर्चा कांकेर के प्रदेश सचिव साईमन दिग्बल तांडी ने बताया कि इस हिंसा में कुल 8 परिवारों के 36 लोग प्रभावित हुए हैं। सभी पीड़ित ताडोकी थाना पहुंचे, लेकिन अभी तक किसी प्रकार का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। पीड़ित परिवार ने दहशत में रात गुजारी और 11 अगस्त की सुबह पुलिस अधीक्षक कार्यालय जाकर उचित कार्रवाई की मांग की।पुलिस अधीक्षक आईके एलिसेला ने बताया कि चर्च को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था, जिसकी जांच जारी है। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

यह घटना क्षेत्र में बढ़ते धार्मिक तनाव और आपसी मतभेदों की गंभीरता को दर्शाती है, जिससे शांति कायम रखने की चुनौती बढ़ गई है। प्रशासन और पुलिस पर अब मामले को नियंत्रित करने और न्याय दिलाने की जिम्मेदारी बढ़ गई है।

जब संगीत बन रहा हौसलों की आवाज

रायपुर। ज़िले में ऐसे विशेष बच्चे, जो अब अपने हुनर से दुनिया को बता रहे हैं कि दिव्यांग होना किसी भी तरह से उनकी प्रतिभा की सीमा नहीं है।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश तथा कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन पर प्रोजेक्ट दिव्य धुन के अंतर्गत इन दिव्यांग छात्र-छात्राओं को कला केंद्र, रायपुर के माध्यम से गायन तथा तबला, गिटार, ढोलक, हारमोनियम जैसे वाद्य यंत्रों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

दो दिन से 35 हाथियों का आतंक, वन विभाग की सतर्क निगरानी में झुंड जंगल की ओर मोड़ा गया

बलरामपुर। जिले के राजपुर वन परिक्षेत्र में बीते दो दिनों से हाथियों के झुंड ने लोगों की नींद उड़ा दी है। करीब 35 हाथियों का यह बड़ा दल, जिसमें 4 छोटे शावक भी शामिल हैं, जंगल और सड़क किनारे लगातार घूमते देखा गया। हाथियों की मौजूदगी ने नेशनल हाईवे-343 (ह्न॥-343) के आसपास के गांवों और राहगीरों के बीच दहशत का माहौल पैदा कर दिया।

वन विभाग ने जानकारी दी कि हाथियों को राजमार्ग से दूर ले जाने के लिए वनकर्मियों ने लगातार प्रयास किए। हालांकि, झुंड की संख्या और उनका आक्रामक व्यवहार इस कार्य को चुनौतीपूर्ण बना रहा था। कड़ी मशक्कत के बाद विभाग की टीम हाथियों को दुप्पी गांव के जंगल की ओर ले जाने में सफल रही है, जहां फिलहाल पूरा झुंड मौजूद है।

राजपुर वन क्षेत्र के रेंजर महाजन साहू ने बताया कि अब तक किसी भी तरह की जनहानि या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की सूचना नहीं है। लेकिन इतने बड़े झुंड की उपस्थिति को देखते हुए इलाके में पूरी सतर्कता बरती जा रही है।

उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों से अपील की है कि वे हाथियों के पास न जाएं और उन्हें छेड़ने या उकसाने जैसी कोई भी कोशिश न करें। साथ ही वन विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। विभाग की टीम लगातार क्षेत्र की निगरानी कर रही है और लोगों को सुरक्षा के उपायों के प्रति जागरूक कर रही है।

वन विभाग की इस सतर्कता से फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन झुंड की गतिविधियों पर नजर बनाए रखने के निर्देश जारी हैं।

देशभर के 1000 से अधिक बुनकर जुटेंगे रायपुर में, 'वोकल फॉर लोकल' के जरिए हस्तकरघा उद्योग को सशक्त बनाने पर होगा मंथन

दैनिक लोकशक्ति, रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 23 और 24 अगस्त 2025 को सहकार भारती बुनकर प्रकोष्ठ का प्रथम राष्ट्रीय अधिवेशन जैनम् मानस भवन में आयोजित होगा। इस दो दिवसीय सम्मेलन में देशभर से 1000 से अधिक चुनिंदा बुनकर और विशेषज्ञ शामिल होकर हस्तकरघा उद्योग की चुनौतियों, अवसरों और नवीनतम नवाचारों पर चर्चा करेंगे।

सहकार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. उदय जोशी ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया है। इस अवसर पर आयोजित अधिवेशन में 'बिना संस्कार नहीं सहकार, बिना सहकार नहीं उद्धार' की भावना को आगे बढ़ाया जाएगा।

भारत की समृद्ध हस्तकरघा परंपरा आज बाजार, पूंजी और तकनीक की कमी से जूझ रही है। बुनकरों की आय सीमित होने, युवाओं के उदासीन रवैये, डिजिटल प्लेटफॉर्म से दूरी और बिचौलियों की भूमिका के कारण यह व्यवसाय संकट में है।

: 'वोकल फॉर लोकल' से उम्मीद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'वोकल फॉर लोकल' पहल बुनकरों के लिए नई संभावनाएं खोल सकती है। सीधा बाजार संपर्क, डिजिटल उपस्थिति और स्वदेशी उत्पादों की मांग बढ़ाकर यह पहल बुनकरों को आर्थिक व तकनीकी रूप से सशक्त बना सकती है।

सम्मेलन में केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह, केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतनराम मांझी, छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और सहकारिता मंत्री केदार कश्यप शामिल होंगे। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह को भी आमंत्रित किया गया है।

अधिवेशन का उद्देश्य बुनकरों के लिए मार्केटिंग, तकनीकी प्रशिक्षण, सरकारी योजनाओं का लाभ और डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़ाव जैसे ठोस कदम तय करना है, ताकि यह पारंपरिक कला केवल जीवित ही न रहे बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत की पहचान बने। नाराः÷हस्तकरघा बुनकरों को सशक्त बनाएं, भारत की विरासत को बचाएं।

महापौर-सभापति ने बहुला चौथ और कमरछठ की दी बधाई

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड और संस्कृति विभाग अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी ने व्रती महिलाओं सहित समस्त नगरवासियों को बहुला चौथ अंगारकी चतुर्थी दिनांक 12 अगस्त 2025 और हलषष्ठी कमरछठ दिनांक 14 अगस्त 2025 के पर्व अवसरों पर अग्रिम हार्दिक शुभकामनायें देते हुए समस्त नगरवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य, शान्ति प्रदान करने हेतु और रायपुर को राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण में प्रथम रैंकिंग दिलवाने सबकी सहभागिता सुनिश्चित करने सकारात्मक ऊर्जा शक्ति प्रदान करने हेतु प्रथम पूज्य देव श्रीगणेश और हलधर भगवान श्री बलराम के दिव्य श्रीचरणों में विनम्र प्रार्थना की है।

बहुला चौथ अंगारकी चतुर्थी पर्व दिनांक 12 अगस्त 2025 मंगलवार को है. उक्त दिवस भगवान श्रीगणेश की विशेष पूजा - आराधना व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं द्वारा की जाती है. मंगल देव की आराधना उनकी प्रसन्नता हेतु की जाती है. मंगलदेव का एक नाम अंगारक भी है. हलषष्ठी कमरछठ पर्व दिनांक 14 अगस्त 2025 गुरूवार को है. उक्त दिवस पर हलधर भगवान श्री बलराम और छठी माता की विशेष पूजा आराधना व्रती महिलाओं द्वारा की जाती है और अपनी सन्तानों के दीर्घायु जीवन, सुख, समृद्धि हेतु विनम्र प्रार्थना की जाती है, अतः जीवन में सकारात्मक ऊर्जा शक्ति प्राप्त करने का यह एक श्रेष्ठ सुअवसर होता है । नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड और संस्कृति विभाग अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी ने महिलाओं सहित समस्त नगरवासियों से राजधानी शहर रायपुर को राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण में प्रथम रैंकिंग दिलवाने अपनी अधिकाधिक सक्रिय सहभागिता रायपुर शहर को स्वच्छ बनाने दर्ज करवाने की विनम्र अपील की है. यहां यह उल्लेखनीय है कि वर्तमान में राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में मेट्रो सिटीज श्रेणी में रायपुर शहर देश में चौथी रैंकिंग और छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर शहर को गार्बेज फ्री सिटी श्रेणी में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रथम 7 स्टार रैंक प्राप्त शहर है ।

राजधानी में 15 अगस्त को मुख्यमंत्री करेंगे ध्वजारोहण

मंत्री, सांसद एवं विधायक भी अलग-अलग जिलों में फहराएंगे राष्ट्रीय ध्वज

रायपुर । मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में राजधानी रायपुर के पुलिस मैदान में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और परेड की सलामी लेंगे। बस्तर जिला मुख्यालय में केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, बिलासपुर में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव तथा दुर्ग में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा मुख्य समारोह में ध्वजारोहण करेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजनांदगांव में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सरगुजा में आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम, गरियाबंद में खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल, बालोद में वन मंत्री श्री केदार कश्यप, कोरबा में उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, जशपुर में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, रायगढ़ में वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, सूरजपुर में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, जांजगीर-चांपा में राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, बलौदाबाजार में सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, बेमेतरा में सांसद श्री विजय बघेल, कवर्धा में सांसद श्री संतोष पांडेय, बलरामपुर में सांसद श्री चिंतामणि महाराज, महासमुंद में सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, सारंगढ़ में सांसद श्री राधेश्याम राठिया, सक्ती में सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, बीजापुर में सांसद श्री महेश कश्यप, कांकेर में सांसद श्री भोजराज नाग, तथा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ध्वजारोहण करेंगे।

मुंगेली जिला मुख्यालय में विधायक श्री पुन्नूलाल मोहले, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में विधायक श्री धरमलाल कौशिक, कोरिया में विधायक श्री अमर अग्रवाल, धमतरी में विधायक श्री अजय चंद्राकर, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में विधायक श्रीमती रेणुका सिंह, कोंडागांव में विधायक सुश्री लता उसेंडी, नारायणपुर में विधायक श्री विक्रम उसेंडी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में विधायक श्री राजेश मूणत, दंतेवाड़ा में विधायक श्री किरण देव और सुकमा जिला मुख्यालय में विधायक श्री धरमजीत सिंह स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण करेंगे।

संतान की लंबी आयु के लिए माताएं करेंगी हलषष्ठी का व्रत 14 को

हलछठ पर पूजा करने से मिलता है संतान सुख और लंबी आयु का वरदान, जानिए शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

हर वर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पहले भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को हल षष्ठी का व्रत रखा जाता है।

रायपुर । हर वर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पहले भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को हल षष्ठी का व्रत रखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस तिथि को भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम जी का जन्म हुआ था। हिंदू धर्म में हल षष्ठी व्रत का विशेष महत्व होता है, इसे कई दूसरे नामों से भी जाना जाता है जैसे- बलदेव छठ, ललही छठ, हर छठ, चंदन छठ, रांधण छठ और तिनछठी आदि। धार्मिक मान्याओं के अनुसार इस दिन पर ही बलराम का जन्म हुआ और इस दिन इनकी पूजा करने का विशेष महत्व होता है। हलछठ पर भगवान बलराम जी की पूजा के साथ छठ माता की भी पूजा करने का विधान होता है और संतान की लंबी आयु और सुखी जीवन के लिए कामना की जाती है। आइए जानते हैं हलछठ पूजा तिथि, शुभ मुहूर्त और महत्व के बारे में विस्तार से...**हलछठ व्रत कब है और तिथि**-बलराम जयंती जिसे हलछठ के नाम से भी जाता है, यह पर्व रक्षाबंधन के बाद और जन्माष्टमी के पहले मनाया जाता है। इस वर्ष हलछठ जयंती 14 अगस्त 2025 को मनाया जाएगा। पंचांग के अनुसार षष्ठी तिथि की शुरुआत 14 अगस्त 2025 को सुबह 4 बजकर 23 मिनट होगी और इसका समापन 15 अगस्त को सुबह 02 बजकर 7 मिनट पर होगी। हल षष्ठी व्रत का विशेष महत्व है, क्योंकि इसे रखने से व्रती महिलाओं के संतान की सुरक्षा और दीर्घायु का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस व्रत को करने से संतान को रोग, भय, और अनिष्ट से मुक्ति मिलती है। इसके अलावा, यह व्रत घर-परिवार में सुख-शांति और समृद्धि लाने वाला माना जाता है। हल षष्ठी व्रत, जिसे ललही छठ या चंदन छठ भी कहा जाता है, मुख्य रूप से उत्तर भारत में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण पर्व है। यह व्रत भाद्रपद महीने की कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाता है और इसे विशेष रूप से महिलाओं द्वारा संतान की लंबी आयु और सुख-समृद्धि की कामना के लिए रखा जाता है। बलराम जी का मुख्य शस्त्र हल और मूसल है इसलिए उन्हें हलधर भी कहा जाता है और उन्हीं के नाम पर इस पावन पर्व का नाम हल षष्ठी पड़ा है। हलषष्ठी के दिन माताओं को महुआ की दातुन और महुआ खाने का विधान है। इस दिन व्रती महिलाएं प्रातःकाल स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करती हैं। इसके बाद वे घर के आंगन में गोबर से लीप कर एक चौक बनाती हैं और उस पर हल और भगवान बलराम का प्रतीक बनाकर पूजा करती हैं। पूजा में विशेष रूप से हल से जुड़ी वस्तुएं जैसे कि हल्दी, चावल और विभिन्न प्रकार के अनाज का प्रयोग किया जाता है। इस दिन हल का उपयोग करने की मनाही होती है, इसलिए व्रती महिलाएं इस दिन बिना हल के निकले हुए अनाज और फलों का ही सेवन करती हैं।

तीन दिवसीय 'एकीकृत संचार एवं जन जागरूकता कार्यक्रम

रायपुर। केंद्रीय संचार ब्यूरो, दुर्ग, छत्तीसगढ़ आज से 14 अगस्त 2025 तक छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता सेनानी एवं विभाजन की विभीषिका विषय पर तीन दिवसीय 'एकीकृत संचार एवं जन जागरूकता कार्यक्रम' (आईसीओपी) का आयोजन स्वामी विवेकानंद हॉल, दुर्ग में करेगा।कार्यक्रम की शुरुआत 12 अगस्त को उद्घाटन समारोह से होगी, जिसमें मुख्य अतिथि होंगे दुर्ग के विधायक श्री गजेन्द्र यादव। उद्घाटन के बाद हर घर तिरंगा रैली निकाली जाएगी और सरकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों की प्रदर्शनी पूरे दिन आम जनता के लिए खुली रहेगी। पीआईबी से मिली जानकाी के अनुसार 13 अगस्त को प्रतियोगिता दिवस मनाया जाएगा, जिसमें क्विज, तात्कालिक भाषण, रंगोली और पेंटिंग प्रतियोगिताएँ होंगी। इस दिन प्रदर्शनी सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

एम्स रायपुर के वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी सम्मान

रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर के वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी श्री अरोकीराज यू को दो प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया गया है। उन्हें तमिलनाडु नर्सेस एंड मिडवाइव्स काउंसिल (टीएनएनएमसी) का 'स्पेशल इनोवेशन अवार्ड 2025' और मदर टेरेसा पोस्ट ग्रेजुएट एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज, पुडुचेरी के गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ नर्सिंग का 'प्रेस्टीजियस एलुमनाई अवार्ड 2025' प्रदान किया गया।टीएनएनएमसी, जो एशिया और भारत की पहली नर्सिंग काउंसिल है, ने श्री अरोकीराज के बायोमेडिकल नवाचार और नर्सिंग-नेतृत्व वाले स्वास्थ्य सेवा परिवर्तन में विशिष्ट योगदान को मान्यता दी। यह सम्मान उन्हें 28 जुलाई 2025 को चेन्नई के वल्लुवर कोट्टम में आयोजित ऐतिहासिक शताब्दी उद्घाटन समारोह में प्रदान किया गया, जिसमें तमिलनाडु के उप मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और टीएनएनएमसी के रजिस्ट्रार सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इसके अलावा, मदर टेरेसा पोस्ट ग्रेजुएट एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ

हेल्थ साइंसेज, पुडुचेरी के गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ नर्सिंग ने मेडिकल डिवाइस आविष्कार और रोगी सुरक्षा में श्री अरोकीराज की असाधारण शैक्षणिकोत्तर उपलब्धियों के लिए उन्हें 'प्रेस्टीजियस एलुमनाई अवार्ड 2025' से सम्मानित किया। यह पुरस्कार संस्थान के प्राचार्य और डीन द्वारा, पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के आशीर्वाद तथा निर्वाचित विधायकों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में प्रदान किया गया।

श्री अरोकीराज भारत के पहले नर्सिंग अधिकारी हैं जिन्हें बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उपयोगिता पेटेंट (यूटिलिटी पेटेंट) प्राप्त हुआ है। बिना औपचारिक इंजीनियरिंग, एम.एससी. या पीएच.डी. पृष्ठभूमि के, उन्होंने 11 वर्षों से अधिक के आईसीयू और क्रिटिकल केयर अनुभव के आधार पर कोविड-19 महामारी के दौरान मरीजों की जरूरतों और चुनौतियों से प्रेरित होकर जीवनरक्षक नवाचार विकसित किए। उनका पेटेंट प्राप्त 'एचओएसी कॉम्बो डिवाइस' एक गैर-आक्रामक, गैर-विद्युत, बहु-चिकित्सा श्वसन प्रणाली है, जिसे कोविड-19, तपेदिक और अन्य वायुजनित बीमारियों के मरीजों में एरोसोल संक्रमण के खतरे को कम करने और ऑक्सीजन थेरेपी को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

उनकी प्रमुख उपलब्धियों में एक यूटिलिटी पेटेंट, तीन डिज़ाइन पेटेंट, सात पंजीकृत कॉपीराइट, दो लंबित भारतीय पेटेंट (आविष्कार) और दो पीसीटी/डब्ल्यूआईपीओ अंतरराष्ट्रीय फाइलिंग (पंजीकृत और प्रकाशन की प्रतीक्षा में) शामिल हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर के कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ ले. जनरल अशोक जिंदल (से.नि.) ने उनकी उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि श्री अरोकीराज की यात्रा इस बात का उदाहरण है कि नर्सिंग पेशेवर बिस्तर-स्तरीय नवाचार से वैश्विक स्वास्थ्य सेवा में बदलाव ला सकते हैं, साथ ही अपनी नियमित सेवाएं भी निभा सकते हैं। श्री अरोकीराज ने अपने इस सफर में मिले सहयोग के लिए कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ, उप निदेशक प्रशासन, डीन (रिसर्च), चिकित्सा अधीक्षक, सीटीवीएस विभागाध्यक्ष, मार्गदर्शक शिक्षकों और सहकर्मी नर्सिंग अधिकारियों का विशेष आभार व्यक्त किया।

उनकी यह उपलब्धि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर की उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है जिसके तहत सभी स्तरों पर नवाचार को प्रोत्साहन दिया जाता है, ताकि रोगी देखभाल में सुधार हो और भारत के स्वास्थ्य सेवा आधारित आर्थिक एवं तकनीकी विकास के दृष्टिकोण को बल मिले।

स्वतंत्रता दिवस से पूर्व स्वच्छता पखवाड़ा का सफल आयोजन, जन-जागरूकता बढ़ाने का उद्देश्य

रायपुर। बिलासपुर रेलवे मंडल में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल ने 1 से 15 अगस्त 2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया। इस पखवाड़े का उद्देश्य जन-जागरूकता बढ़ाकर रेलवे परिसरों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ बनाना है। इस पहल के तहत 9, 10 और 11 अगस्त को मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। आधुनिक सफाई मशीनों, औजारों और उपकरणों की उपलब्धता और कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया गया। सफाई कर्मचारियों को आवश्यक सुरक्षात्मक उपकरण उपलब्ध कराए गए ताकि वे सुरक्षित और प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें। यंत्रीकृत सफाई उपकरणों की उपस्थिति और सही उपयोग सुनिश्चित किया गया। रेलवे कॉलोनियों, कार्यालयों, स्टेशन परिसरों, विश्राम गृहों, शयनगृहों, रनिंग रूम, अस्पतालों, स्वास्थ्य इकाइयों और स्कूलों में कूड़ा-कचरा न फैलाएं विषय पर जागरूकता नोटिस भी प्रदर्शित किए गए। इसके साथ ही रेलवे भूमि एवं कॉलोनियों में वृक्षारोपण

अभियान भी सफलतापूर्वक संचालित किया गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बल मिला।

मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों में कूड़ा-कचरा प्रबंधन के लिए विशेष इंतजाम किए गए। गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग संग्रहित करने के लिए पर्याप्त संख्या में डस्टबिन लगाए गए हैं, ताकि कचरे का उचित निष्पादन सुनिश्चित हो सके। इस पहल से न केवल स्टेशन परिसरों में स्वच्छता बनी रहेगी, बल्कि यात्रियों और कर्मचारियों में पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी भी जागृत होगी।

स्वच्छता पखवाड़े के दौरान डस्टबिन के सही उपयोग हेतु विशेष जागरूकता अभियान भी चलाया गया, जिसमें रेल उपयोगकर्ताओं को अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व से अवगत कराते हुए गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग संग्रह करने के लिए प्रेरित किया गया। विभिन्न स्थानों पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें यात्रियों और रेलवे कर्मियों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई।

यह निरंतर प्रयास रेलवे परिसरों में न केवल स्वच्छता को बढ़ावा देते हैं, बल्कि यात्रियों और कर्मचारियों के बीच पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करते हैं। इस पहल से एक स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित हो रहा है, जो रेलवे की सामाजिक जिम्मेदारी के साथ-साथ सतत विकास की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्वतंत्रता दिवस पर सीएम साय रायपुर, तोखन बस्तर में झंडा फहराएंगे

कांकेर। कांकेर जिले के पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। पुलिस अधीक्षक इंदिरा कल्याण एलेसेला ने इस संबंध में आदेश जारी कर कई थाना प्रभारियों का तबादला कर दिया है।इस आदेश के तहत, चारामा थाना प्रभारी जितेंद्र साहू को अब अजाक कांकेर थाने का प्रभार सौंपा गया है। उनकी जगह तेज कुमार वर्मा को नया चारामा थाना प्रभारी बनाया गया है। यह बदलाव हाल ही में हुई एक घटना के बाद किया गया है, जहाँ केशकाल घाट में बस को टक्कर मारने वाले एक ट्रेलर चालक के साथ चारामा में पुलिसकर्मियों द्वारा बेरहमी से मारपीट की गई थी। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें तत्कालीन टीआई (जितेंद्र साहू) को भी मारपीट करते हुए देखा गया था।अन्य तबादलों में, दिलेश्वर चंद्रवंशी को रक्षित केंद्र से ताड़ोकी थाना प्रभारी बनाया गया है। अच्युतचंद्र तिवारी को जीविशा पुलिस कार्यालय से बड़गांव थाना प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि मनोरमा को रक्षित केंद्र कांकेर से जीविशा पुलिस कार्यालय में नियुक्त किया गया है।

7 हजार टन से ज्यादा चावल की हेराफेरी

रायपुर । छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत संचालित राशन दुकानों में बड़े पैमाने पर चावल की हेराफेरी का खुलासा हुआ है। राज्य भर में हुए भौतिक सत्यापन में 7,891 टन से अधिक चावल का स्टॉक कम पाया गया, जिससे खाद्य विभाग में हड़कंप मच गया है। यह जांच 31 मार्च 2024 तक की स्थिति पर आधारित थी, जिसमें प्रदेश की 13,779 राशन दुकानों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान 894 दुकानों में चावल के स्टॉक में भारी गड़बड़ी उजागर हुई। मामले में कार्रवाई करते हुए 101 दुकानों का आवंटन निलंबित, 72 का आवंटन रद्द, और 19 दुकानदारों पर एफआईआर दर्ज की गई है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

टैरिफ वॉर का दांव

अपने दूसरे कार्यकाल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ वॉर का दांव चल कर दुनिया के तमाम देशों को निशाने पर ले रहे हैं। भारत पर पच्चीस फीसद टैरिफ लगाने का फैसला पहले ही सुना चुके हैं। अब चौबीस घंटों के भीतर इससे कहीं ज्यादा टैरिफ लगाने की उनकी घोषणा एक और चेतावनी है। ट्रंप ने भारत के रूस से तेल खरीदने को वॉर मशीन की मदद करने सरीखा बताया है। भारत ने तत्काल इसे तर्कहीन बताया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका भी रूस से परमाणु उद्योग के लिए यूरेनियम, हेक्साफ्लोराइड और इलेक्ट्रिक वाहन इंडस्ट्री के लिए पैलेडियम, उर्वरक और रसायन आयात करता है। कड़े प्रतिबंधों के बावजूद अमेरिका ने तकरीबन साढ़े तीन अरब डॉलर का रूसी गुड्स ट्रेड किया है। भारत सरकार ने भी स्पष्ट किया कि वैश्विक बाजार को स्थिर करने के लिए अमेरिका द्वारा रूस से तेल खरीदते रहने को प्रोत्साहित किया गया था। मोदी को मित्र बता कर गलबहियां करने वाले ट्रंप के बदलते तेवर कूटनीतिक रूप से हताशा भरे माने जा सकते हैं।

नाम लिख कर मिटाना हमें पसंद नहीं।

वायदे का बताशा हमें पसंद नहीं
उस पर ये तकाजा हमें पसंद नहीं।

बेदर्दी से हर वक्त पेश आये अगर
कह देंगे ये जमाना हमें पसंद नहीं।

निराश होने का हौसला नहीं बाकी
उमंग बगैर जमाना हमें पसंद नहीं।

आजाये सामनें मुश्किलों का पहाड़ भी
अब तो कमजोर इरादा हमें पसंद नहीं।
आये हो तो ठहर जाओ जरा देर यहीं
पल-पल का तमाशा हमें पसंद नहीं।

दिल के कोरे साफ़कागज पर ÷संजीव÷
नाम लिख कर मिटाना हमें पसंद नहीं।

- संजीव ठाकुर।

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp

Modimaya_ Vaidik_Netritva

Rashtriya Ekta

DLF-Vadra-Bhrasht Tantra

Silent Assassins Jan11,1966

Accursed & Jihadi Neighbour

हवा-पानी की आज़ादी के बिना आज़ादी अधूरी

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

देश एवं दुनिया के सामने स्वच्छ जल एवं बढ़ते प्रदूषण की समस्या गंभीर से गंभीरतर होती जा रही है। शुद्ध हवा एवं पीने के स्वच्छ जल की निरन्तर घटती मात्रा को लेकर बड़े खतरे खड़े हैं। धरती पर जीवन के लिये जल एवं हवा सबसे जरूरी वस्तु है, जल एवं हवा है तो जीवन है। जल एवं हवा ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अस्तित्व को संभव बनाता है। जीवन के तीन आधार तत्व हैं-हवा, पानी और धरती है। इनकी संरक्षा न केवल हमारी अस्तित्व-निर्भरता से जुड़ी है, बल्कि मानवता की नैतिक जिम्मेदारी भी है। आज का युग, जिस तेज़ी से विकसित हो रहा है, उसी भागदौड़ में हवा और पानी को परम स्वाधीनता से वंचित कर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध, दिल्ली का उच्च प्रदूषण सूचकांक, अमेरिका के जंगलों की धुएं से गंदली हवा, बढ़ता वाहन प्रदूषण-ये सब संकेत देते हैं कि हवा से आज़ादी मतलब 'स्वस्थ हवा' पाना है। हमारे ÷आज़ादी÷ को नया अर्थ चाहिए तो यह प्राकृतिक संसाधनों यानी हवा एवं पानी की आज़ादी पर भी निर्भर है, जो मानव व पर्यावरण-जगत दोनों के लिए जीवनदायिनी है। स्वतंत्रता का अर्थ केवल राजनीतिक बंधनों से मुक्ति नहीं है, बल्कि जीवन के हर पहलू में सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक अस्तित्व का अधिकार है। 78वें स्वतंत्रता दिवस पर जब हम आज़ादी का जश्न मना रहे हैं, तब यह सवाल भी उठाना जरूरी है कि क्या हमें हवा और पानी की सच्ची आज़ादी मिली है?

आज़ादी केवल तिथि नहीं, एक निरंतर संघर्ष है। यह सिर्फ़झंडा फहराने का अधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं, समान अवसर और सम्मान देने की जिम्मेदारी है। हवा, पानी और धरती- इनके बिना जीवन संभव नहीं। पर दुर्भाग्य से आज इन मूलभूत संसाधनों पर गहरा संकट है। स्वच्छ हवा में सांस लेना और शुद्ध पानी पीना अब विलासिता जैसी चीज़ बनती जा रही है। 'हवा-पानी की आज़ादी' का मतलब है कि हर व्यक्ति को स्वच्छ हवा और शुद्ध पानी तक सहज पहुंच हो। यह केवल स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि मानवता का मूल अधिकार है। परंतु शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों के दुरुपयोग ने हवा और पानी दोनों को विषाक्त बना दिया है। विश्व में 2.2 अरब लोगों के पास सुरक्षित पेयजल की सुविधा नहीं है। भारत में करोड़ों लोग अभी भी दूषित या अपर्याप्त पानी पर निर्भर हैं। रसायनयुक्त कृषि, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक प्रदूषण और भूजल के अंधाधुंध दोहन ने जल की गुणवत्ता को लगातार गिराया है।

जल संकट भविष्य में सबसे बड़ा युद्ध का कारण बन सकता है। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ती युद्ध की संभावनाओं का कारण भी जल ही बनता हुआ दिख रहा है। ऑपरेशन सिंधूर के बाद भारत ने पाक पर सिंधु जल समझौते को रद्द कर देने से पाक में जल संकट खड़ा हो गया है, पाक की ओर से परमाणु बम की धमकी दी जा रही है, वहीं भारत भी युद्ध की संभावनाओं को देखते हुए तैयार में जुट गया है। जल संकट केवल भारत और पाक में ही नहीं, दुनिया में एक बड़ी समस्या है। क्योंकि ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियों का प्रवाह घट रहा है, भूजल का स्तर गिर रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़, सूखा और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। आंकड़े बताते हैं कि 2000 से अब तक बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। धरती का 70 प्रतिशत भाग पानी से भरा है, लेकिन पीने योग्य पानी केवल 3 प्रतिशत है, जिसमें से उपयोगी मीठा जल 1 प्रतिशत से भी कम है। बढ़ती जनसंख्या और बर्बादी ने इस अमूल्य संसाधन को गंभीर संकट में डाल दिया है।

दिल्ली और अन्य महानगरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार 'बहुत खराब' या 'खतरनाक' श्रेणी में पहुंचता है। प्रदूषित हवा श्वसन रोग, हृदय रोग और कैंसर तक का कारण बन रही है। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। रिसर्च बताती है कि दिल्ली के 75 प्रतिशत से अधिक बच्चों को सांस लेने में कठिनाई होती है, आंखों में जलन और खांसी की शिकायत रहती है। वाहन प्रदूषण, औद्योगिक धुआं, निर्माण गतिविधियों की धूल और फसल अवशेष जलाना-ये सब मिलकर हवा को ज़हरीला बना रहे हैं।

भारत के पास जल प्रबंधन की प्राचीन परंपरा रही है-तालाब, कुएं, बावड़ियां, जोहड़ और सरोवर जल संरक्षण के अद्भुत उदाहरण हैं। राजस्थान के किलों और गांवों में जल संचयन व्यवस्था आज भी दुनिया के लिए प्रेरणा है। पर्यावरणविद अनुपम मिश्र कहते थे-÷अब भी खरे हैं तालाब।÷ आज आवश्यकता है कि हम इन परंपराओं को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर जल संकट का समाधान करें। सरकार ने 'अटल भूजल योजना', 'नल से जल' और 'नदी पुनर्जीवन' जैसी योजनाएं शुरू की हैं। लेकिन केवल सरकारी प्रयास काफी नहीं, जनभागीदारी आवश्यक है। गांव-गांव में वर्षा जल संचयन, नदियों की सफाई, औद्योगिक अपशिष्ट का प्रबंधन और भूजल संग्रहण की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। हवा की शुद्धता के लिए जरूरी है कि सार्वजनिक परिवहन को विश्वसनीय और सुलभ बनाया जाये, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जाये, औद्योगिक उत्सर्जन पर सख्त नियंत्रण हो, हरित क्षेत्र और वृक्षारोपण को बढ़ाना अत्यंत जरूरी कदम हैं। आज़ादी का असली मतलब यह है कि सत्ता का केंद्र नागरिक हो, उसकी मूलभूत सुविधाएं हो और उसकी आवाज़ सिर्फ़ चुनावी भाषणों में नहीं, नीतियों और फैसलों में भी सुनी जाए।

आजादी के अमृतकाल में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए हमें हवा एवं पानी की आजादी के लिये संकल्प लेना होगा। वायु-जल संसाधनों पर गहराते संकट को खत्म करने के लिए अपनी जीवन-शैली में परिवर्तन करना होगा। इसके लिए सभी लोगों को बच्चे-बूढ़े, स्त्री-पुरूष, किसान, उद्यमियों सभी को पहल करनी है। पानी को बचाने एवं हवा की शुद्धि की आदत को व्यवहार में ढालना होगा। हवा में घूल रहा प्रदूषण भी खतरनाक होता जा रहा है। भू-विज्ञान मंत्रालय के एक रिसर्च के अनुसार वायु निर्माण में 41 प्रतिशत हिस्सेदारी वाहनों की रहती है। भवन निर्माण आदि से उड़नेवाली धूल 21.5 प्रतिशत के दूसरे स्थान पर है। दिल्ली परिवहन विभाग के आंकड़े के मुताबिक पिछले 30 साल में वाहन और उनसे होने वाला प्रदूषण तीन गुणा बढ़ गया है। फिर भी सार्वजनिक यातायात व्यवस्था को बेहतर और विश्वसनीय बनाने की दिशा में कुछ खास नहीं किया गया। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। खेती में प्रदूषकों की रोकथाम से जल संसाधनों के संकट और पारिस्थिकी तंत्र में बदलाव के संकट को कम किया जा सकता है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को नियमित करके समस्या को काफी हद तक सुलझाया जा सकता है। उपलब्ध जल संसाधनों तक उपभोग को सीमित करके, संसाधन पर दवाब कम किया जा सकता है।

आज हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं, हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है, विज्ञान और तकनीक में नए मुकाम हासिल हो रहे हैं। मेट्रो ट्रेन, डिजिटल पेमेंट, सैटेलाइट मिशन और वैश्विक मंच पर बढ़ता प्रभाव हमें गर्व से भर देता है। लेकिन इस चमक के पीछे एक सच छुपा है-हमारी आज़ादी अब भी अधूरी है। यह अधूरापन केवल गरीबी या बेरोज़गारी का नहीं, बल्कि शुद्ध हवा-पानी जैसी मूलभूत जरूरतों से जुड़ी सोच, व्यवस्था और व्यवहार में गहरे बैठी असमानताओं का है। हमने अंग्रेज़ी शासन से मुक्ति पाई, लेकिन अगर हमारे बच्चे दूषित हवा में सांस लें और जहरीला पानी पिएं, तो यह कैसी आज़ादी है? आज़ादी का वास्तविक अर्थ तभी होगा जब हर नागरिक को स्वच्छ हवा और शुद्ध पानी मिले। 78वां स्वतंत्रता दिवस केवल झंडा फहराने और भाषण देने का नहीं, बल्कि जीवनदायिनी संसाधनों की रक्षा का संकल्प लेने का अवसर है। अपने घर, मोहल्ले और कार्यस्थल पर पानी बचाने की आदत डालें। प्लास्टिक का उपयोग कम करें। वर्षा जल संचयन करें। प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों का विरोध करें। वृक्षारोपण को जीवन का हिस्सा बनाएं। क्योंकि हवा और पानी की आज़ादी ही जीवन की सच्ची आज़ादी है।

राष्ट्रभक्ति का पर्व 'स्वतन्त्रता दिवस

विनोद कुमार सर्वोदय

किसी भी देश का स्वाधीनता या स्वतन्त्रता दिवस उस देश के नागरिकों के लिए अपनी-अपनी राष्ट्र भक्ति व देश प्रेम प्रकट करने का एक सुअवसर होता है और वे सब इसको बड़े उल्लास के साथ मनाते भी हैं। हम भारतवासी भी स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) को एक राष्ट्रीय पर्व के रूप में अत्यधिक उत्साह व जोश के साथ प्रतिवर्ष मनाते हैं द्य हम सब भारत भक्त देश के प्रधानमंत्री का लालकिले से संबोधन अपने-अपने टी.वी.सेट पर बड़ी उत्सुकता से देखते व सुनते हैं । यही परम्परा पिछले 78 वर्षो से चली आ रही है । उसी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए इस बार भी 79 वें स्वतंत्रता दिवस पर अपने कार्यो की प्रगति रिपोर्ट हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी राष्ट्र के समक्ष अवश्य रखेंगे। सम्भवत इस बार के अपने संबोधन में हमारे प्रधानमंत्री जी 'आप्रेशन सिंदूर' के माध्यम से सुरक्षा बलों की अद्भुत कार्य क्षमता और सफ़लता का विशेष उल्लेख अवश्य करेंगे जिससे देशवासियों में भी राष्ट्र भक्ति के साथ-साथ वीरता का भाव भी जगे द्य

गुजरात के मुख्य मंत्री के रूप में श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2013 में लालन कालिज,कच्छ (गुजरात) में जोकि भारत-पाक सीमा क्षेत्र से कुछ किलोमीटर पहले स्थित है, जो आक्रामक भाषण दिया था वैसा उत्साहवर्धक भाषण दिल्ली के लालकिले से 2014 से 2024 तक दिये गये मोदी जी के सभी भाषणों में पुनः सुनने को नहीं मिला, क्या कारण रहा पता नहीं ? परन्तु इतना अवश्य प्रतीत होता है कि मोदी जी को अपने भाषण की शैली एक तथाकथित धर्मनिरपेक्ष देश के प्रधानमंत्री पद की गरिमा व कूटनीति को ध्यान में रखकर ही अपनानी होती है ।

वैसे तो ऐसे शुभ अवसरों के संबोधनों पर देशवासियों का उत्साहवर्धन और शत्रुओं को हतोत्साहित करते हुए चेतावनी देने की प्रमुखता प्रत्येक राष्ट्र प्रमुख की रही है। क्या स्वतंत्रता दिवस पर देश के शत्रुओं को ललकारने की परम्परा को सेक्युलरवादी नीतियों के दूषित प्रभाव के कारण भुलाना चाहिएद्धनहीं ? हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी को चीन, पाकिस्तान और बंग्लादेश आदि के द्वारा हमारे विरुद्ध निरंतर अपनाई जा रही शत्रुतापूर्ण नीतियों पर आक्रामक संदेश देकर देशवासियों का उत्साहवर्धन अवश्य करना चाहिए! वैसे तो मोदी जी बार-बार यह स्पष्ट करके कि आतंकवाद (जिहाद) के विरुद्ध संघर्ष में विश्व को एकजुट होना चाहिए, पाकिस्तान व चीन आदि को अपनी कूटनीतिज्ञता का परिचय अवश्य करा देते है । उनके सारगर्भित उद्बोधनो में प्रायः सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से लेकर संविधान की विशेषताओं का विशेष उल्लेख अवश्य मिलता है।

एक बार स्वतंत्रता दिवस के साथ-साथ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की भी सभी को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने बड़े सुंदर शब्दों में कहा था कि ÷सुदर्शन चक्रधारी मोहन से लेकर चरखाधारी मोहन की हमारी परम्परा है।÷ इस संदेश का गहराई से विश्लेषण किया जाये तो समझ में आएगा कि भगवान् श्रीकृष्ण का सुदर्शन चक्र जो धर्म रक्षार्थ विशिष्ट शौर्य,पुरुषार्थ व वीरता के प्रदर्शन का प्रतीक है और हमें स्वाभिमान के साथ धर्म की रक्षार्थ जीने का संदेश भी देता है वही स्व.मोहनदास करमचंद गांधी का चरखा चलाने का संकेत स्वावलम्बी बनाकर आत्मनिर्भर बनने को प्रेरित करता है।

अपनी कार्यकुशलता व प्रशासनिक निर्णयों के धनी मोदी जी स्वतन्त्र भारत की आरंभिक जातिवाद व सम्प्रदायवाद की समस्याओं पर कठोर होने का संदेश देकर आस्था के नाम पर हिंसा करने वालों को सावधान भी किया करते है । आज मोदी जी के प्रति देश की सीमाओं की रक्षार्थ आक्रमक भूमिका निभाने के लिए चारों ओर आभार प्रकट करने वालों की संख्या अनगिनत है द्य किन्तु बढ़ती हुई धर्म द्रोही और देश विरोधी शक्तियों के विरुद्ध आक्रमक भूमिका निभा कर देश की आंतरिक सुरक्षा के प्रति भी हम सबको मोदी जी का विशेष ध्यान आकर्षित करवाने के प्रयास करने होंगे ।

वैसे यह अत्यंत शुभ संकेत है कि कुछ वर्षों से स्वतंत्रता दिवस पर अत्यधिक उत्साह देखने को मिल रहा है,नगर -नगर में तिरंगे लहराते हुए अनेक रैलियां निकाली जाने लगी है । छोटे-छोटे बच्चों व युवाओं में राष्ट्रभक्ति का बीज निरंतर अंकुरित होने से राष्ट्रभक्तिपूर्ण वातावरण का निर्माण हुआ है और वर्तमान केंद्रीय व कुछ प्रदेशीय सरकारों के राष्ट्रवाद की सर्वोच्चता को बनाए रखने का सफल परिणाम है । लेकिन अपवाद स्वरूप कुछ अराष्ट्रीयता भी देखी जाती है । मुख्यरूप से केरल के एक विद्यालय में कुछ वर्ष पूर्व सरसंघचालक श्री मोहन भागवत जी का ध्वजारोहण करना वहाँ के प्रशासन के अनुसार अशोभनीय रूप से विवादित माना जा रहा था। अनेक मदरसों में तिरंगा लहराने व राष्ट्रगान गाने के शासकीय आदेशों का पालन किया जाने लगा है। जबकि अपवाद स्वरूप कुछ अधिक कट्टर सोच वाले मदरसों अपनी धर्मांध दूषित मानसिकता का परिचय देते हुए तिरंगा तो फहराते है लेकिन राष्ट्रगान के गायन का विरोध करते हैं ।

इस प्रकार के विरोधाभासों के उपरांत भी स्वतन्त्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व पर कुछ वर्षो उपरान्त इतना उत्साह देखकर, पढकर व सुनकर अपना बचपन याद आ जाता है । वे उमंग और उत्साह के दिन भूली-बिसरी यादें बन कर रह गयी थी। जब हम छोटे थे तो स्कूल-कालेज में स्वतंत्रता-दिवस व गणतंत्र-दिवस धूमधाम से मनाए जाते थे। खेल होते थे , बैंड बजते थे, मार्च-पास्ट होता था और एन.सी.सी की परेड होती थी । कहीं-कहीं स्कूलों में क्रांतिकारियों के जीवन से सम्बंधित नाटक व वीर रस के कवि सम्मलेन भी होते थे जिसके लिए कुछ दिन पूर्व तैयारियाँ की जाती थीं । एक-दो दिन पहले से ही देशभक्ति के गीत गूँजने लगते थे। उत्सव के बाद स्कूल-कालिज में छात्र-छात्राओं के हाथों में मिठाइयाँ होती थीं जिसमें से कुछ खाते थे और कुछ घर ले आते थे। यह परम्परा अभी भी कुछ स्कूलों में चली आ रही होगी, पर अधिकांश विद्यालय अब ÷पब्लिक स्कूल÷

बन गए हैं । वहाँ अब इन राष्ट्रीय पर्वों पर ÷अवकाश÷ रहता है परन्तु बच्चों को पहले दिन इन पर्वों का संभवतः थोड़ा ज्ञान अवश्य करा देते हैं । लेकिन यहाँ एक बात अवश्य कचोटती है कि इन पब्लिक स्कूलों में नेशनल कैडेट कॉर्प्स (एन.सी.सी.) या तो है ही नहीं या इसकी अनिवार्यता को हटा लिया गया । इन राष्ट्रीय पर्वों पर विद्यालयों और महाविद्यालयों में अवकाश नहीं होना चाहिये , क्योंकि ऐसे ही अवसरों पर बालक-बालिकाओं व युवा पीढ़ी के अंदर राष्ट्रीयता का बोध होने से उनमें देश के प्रति समर्पण की भावना जागती है। साथ ही एन.सी.सी को भी जो युवाओं को शत्रुओं के प्रति एक सैनिक के भाँति युद्ध करने का प्रशिक्षण देती है अनिवार्य करना चाहिए । इस प्रकार बालक व बालिकाओं और युवाओं में राष्ट्र के लिये बलिदान हुए महान क्रांतिकारियों को स्मरण करने से उनसे प्रेरणा मिलती है और राष्ट्रीय भाव जाग्रत होने से मातृभूमि के प्रति समर्पण का बोध होता है। यह राष्ट्रीय पर्व सांस्कृतिक धरोहरों के साथ-साथ राष्ट्र की सुरक्षा व अखंडता के लिए भी आवश्यक भूमिका निभाए तो विकसित भारत की संकल्पना भी साकार होगी द्य सम्भवत आज ÷स्वतन्त्रता दिवस÷ के साथ-साथ उसे ÷राष्ट्रभक्ति पर्व÷ के रूप में भी मना कर देश के बाल जगत को अधिक प्रेरित किया जा सकता है।

यह निजी विचार है।

राष्ट्रवाद बनाम धार्मिक कट्टरता, बौद्धिक संतुलन की दरकार।

राष्ट्रवाद सार्वभौमिक सत्य है। राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रवाद की भूमिका हमेशा अति महत्वपूर्ण रही है। देश के हर नागरिक की जिम्मेदारी भी है कि उसकी राष्ट्र के प्रति गहरी निष्ठा,समर्पण हो, पर इसका कतई आशय नहीं है की सत्ता लोलुप राजनीतिक पार्टियां राष्ट्रवाद को धर्म संप्रदाय से जोड़कर सत्ता हथियाने का अवसर या अस्त्र बनाने का प्रयास करें, निसंदेह इस बात से राष्ट्रीय भावना विखंडित,आहत होती है। ऐतिहासिक तौर पर लगातार सत्ता पर बने रहने के लालच से कोई भी राजा सम्राट अथवा बादशाह चिंता नहीं रहा हैद्य वर्तमान परिदृश्य में राजनीतिक पार्टी के नेता भी सत्ता लोलुपता से परे नहीं है, इस संदर्भ में कई बार राष्ट्रवाद को धर्म से जोड़कर भावनात्मक तरीके से इसे सत्ता प्राप्ति का अस्त्र तथा अवसर बनाकर उपयोग किया जाता रहा है। सत्ता सदैव परिवर्तनशील होती रहनी चाहिए, यह एक स्वस्थ लोकतंत्र की परंपरा को और मजबूत बनाती हैद्य लगातार सत्ता किसी भी सत्ताधीश को निरंकुश बनाकर अधिनायकवाद के बीज को रोपित करती है

देश में अवसरवादी राजनीतिक दलों की उपस्थिति जातिवादी समीकरण के अतिवादी दृष्टिकोण, अब परिपक्व लोकतांत्रिक संस्थाओं का परिचालन एवं आमजन की सीमित तर्क बुद्धि एवं और दूरदर्शिता के कारण कई बार जनता के दूरगामी लाभ के स्थान पर तात्कालिक लाभ की प्रक्रिया से अवसरवादी अभिमत तथा तुष्टीकरण की नीति से जनता के लाभ के अवसर को दूर ले जाते हैंद्य

राजनीतिक पार्टियों की अवसरवादी तथा पद लोलुपता की अभिवृत्ति जनता को तुरंत लाभ देने की सर दूरदर्शन नीति लोकतंत्र को बहुत बड़े खतरे की ओर ले जाती है एवं इससे राष्ट्रीय विकास की क्षमता में बहुत ज्यादा स्खलन होने की संभावना होती हैद्य जनता के हितों उनकी भावनाओं से खिलवाड़ कर शोषण करना अंततः राष्ट्रीय चरित्र तथा अनुशासन के स्थान पर आर्थिक तथा सामाजिक सुरक्षा चरित्र को जन्म देती हैद्य अवतारवाद राजनीति का एक अंग हो सकता है किंतु सदैव आशीर्वाद तथा पद लोलुपता राजनीति को गर्त में ले जाने सदस्य है यह अलग मुद्दा है कि जन भावना बहुमत की भावना तथा सामाजिक प्रथाएं एवं तात्कालिक हित किसी भी लोकतंत्र के लिए आवश्यक अंग हो सकते हैं लोकतंत्र में विशेष परिस्थितियों में जनता का समर्थन प्राप्त करना एवं उनके हितों की रक्षा के लिए नए उपायों की अवधारणा उचित हो सकते और आवश्यक भी, किंतु राजनीति में पद लोलुपता अवसरवादी ता एवं जातिवाद को विखंडित करने की नियत किसी भी दृष्टि से लोकतंत्र के हित में नहीं दिखाई देती हैंद्य भारतीय परंपरा में भी शाम दाम दंड भेद सुशासन का प्रमुख उपकरण मान लिया गया है पर इसके दूरगामी परिणाम तुष्टीकरण के साथ-साथ अनुशासन की महत्ता को कमतर करने का कार्य करते हैंद्य यह सुनिश्चित है कि बिना विकसित लोकतांत्रिक उपकरणों के लोकप्रियता को मापना एक दुष्कर कार्य हो जाता है कई बार कम संख्या परंतु मजबूत संगठन वाले समूह के हित के लिए अनुचित साधन बनकर रह जाते हैं, और यही कारक बहुमत के शासन के लोकतांत्रिक आदर्श के विपरीत चले जाते हैंद्य लोकतांत्रिक मूल्यों सिद्धांतों को अवसरवादी का पत्ता एवं दलबदल क्षति पहुंचाने के बहुत बड़े कारण हैंद्य अवसरवाद तथा सत्ता की चाहत लोकतांत्रिक मूल्यों के दूरगामी दुष्परिणामों का बड़ा संकेत हो चुका है। भारतीय संविधान में भी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के छोटे-छोटे छिद्रों से राजनीतिक दल अवसर के जो ताने बाने बुनते हैं उससे राजनैतिक एवं ऐतिहासिक प्रति मानव को हमेशा नुकसान ही हुआ है। अब राजनीति में सिद्धांतों की प्रतिबद्धता बहुत निम्न स्तर पर पहुंच गई है जिससे लोकतांत्रिक नीतियों और सिद्धांतों मैं बहुत ज्यादा विसंगतियां पैदा हो चुकी हैं। लोकतंत्र में बहुमत के साथ अधिनायकवाद अवतारवाद सत्ता लोलुपता और जातिगत समीकरणों का गलत तरीके से उपयोग सामंतवादी आ लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को जन्म दे सकता है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को बड़ी सौगात, सीधे खातों में बीमा राशि का भुगतान

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राजस्थान के झुंझूनु से किसानों के खातों में बीमा राशि का डिजिटल भुगतान किया

35 लाख किसानों को 3,900 करोड़ रुपए की बीमा राशि मिली

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी कार्यक्रम में रहे मौजूद

पीआईबी

किसान कल्याण प्रतिबद्धता सिद्ध करते हुए आज केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राजस्थान के झुंझूनू से किसानों के खातों में प्रधानमंत्री फ सल बीमा योजना के तहत डिजिटल राशि का भुगतान किया। करीब 35 लाख किसानों के खातों में 3,900 करोड़ रुपये की धनराशि वितरित की गई। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री श्री भागीरथ चौधरी, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा, राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, मौजूद रहे। बड़ी संख्या में किसानों ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। विभिन्न राज्यों के लाखों किसान व लाभार्थी वर्चुअल माध्यम से समारोह से जुड़े रहें। इस अवसर पर संबोधित करते हुए श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक अद्भुत भारत का निर्माण हो रहा है। राजस्थान को जल्द ही यमुना, चंबल के साथ-साथ सिंधु नदी का पानी भी मिलने वाला है। भारत के द्वारा पहलगाम के आतंकी हमले का मजबूती से बदला लिया गया। 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से आतंकी अड्डों को ध्वस्त कर दिया गया। उन्होंने कहा कि किसी तीसरे देश की कोई भूमिका नहीं थी। भारत ने अपनी क्षमता से निर्णय लिया। जब पाकिस्तान झुका और शरण में आया तब हमारी ओर से कार्रवाई रोकी गई।

श्री चौहान ने कहा कि पहले कि सरकार द्वारा फसल बीमा की राशि पूरी तहसील या ब्लॉक की फसल बर्बाद होने के बाद ही दी जाती थी लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पुरानी सारी योजनाओं को निरस्त करते हुए ऐसी बीमा योजना बनाई के जिसके अंतर्गत एक गांव क्या एक किसान की भी अगर फसल बर्बाद हुई तो बीमा की राशि दी जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मात्र एक योजना ही नहीं बल्कि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सरकार किसानों की जिंदगी सुखद बनाने का कार्य कर रही है। पौने चार लाख करोड़ रुपये की धनराशि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत सीधे किसानों के खातों में वितरित की जा चुकी है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के 2016 में शुरुआत से अब-तक 2 लाख 12 हजार करोड़ रुपये किसानों को दिए जा चुके हैं। खाद की सब्सिडी में भी सरकार ने बड़े स्तर पर किसानों को मदद पहुंचाने की कोशिश की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज यूरिया की 45 किलो की एक बोरी किसानों को 266 रुपये में मिलती है, इसकी असली कीमत 1,633 रुपये 24 पैसे है। 266 रुपये से ऊपर की सभी राशि का वहन सरकार द्वारा सब्सिडी के रूप में किया जाता है। डीएपी की 50 किलो की बोरी किसानों को 1,350 रुपये में मिलती है, जिसकी असली कीमत है 3,100 रुपये। अब-तक 14 लाख 6 हजार करोड़ रुपये सस्ते खाद के लिए फर्टिलाइजर कंपनियों को दिए जा चुके हैं। अन्य कल्याणकारी योजनाओं का भी केंद्रीय मंत्री ने जिक्र किया। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा एमएसपी के दाम बढ़ाने का भी काम किया गया है। किसानों की लागत में 50 प्रतिशत लाभ जोड़कर ही एमएसपी तय करने का निर्णय लिया गया। सरकार ने 2,000 रुपये प्रति क्विंटल मूंग खरीदने का निर्णय लिया। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पीएम आशा योजना के तहत अब-तक गेहूं और धान की खरीद के लिए किसानों के खातों में 43 लाख 87 हजार करोड़ रुपये डाले गए हैं। बाजार हस्तक्षेप योजना (MIP) के तहत भी किसानों को दूसरे राज्यों में माल बेचने की व्यवस्था का प्रावधान किया गया है, जिसमें परिवहन की लागत सरकार वहन करेगी।

किसानों के फायदे के लिए नई-नई योजनाएं बनाने का काम किया जा रहा है।

नकली खाद और उर्वरकों पर सख्ती जताते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस संबंध में त्वरित कदम उठाते हुए एक कड़ा कानून बनाने की प्रक्रिया पर तेजी से काम चल रहा है। जल्द ही ठोस कानून बनाकर ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को जेल भेजा जाएगा।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा फसलों पर वायरस अटैक की स्थिति में यदि किसानों द्वारा जानकारी साझा की जाएगी या मात्रा एक फोटो के जरिए भी सूचना दी जाएगी, तो मदद के लिए वैज्ञानिकों की टीम तुरंत किसानों के पास गांव पहुंचेगी।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि खरीफ के फसल के बाद अब रबी की फसल के लिए भी 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत वैज्ञानिकों की टीम किसानों के गांव-गांव जाएगी और उन्हें खेती व शोध की सही जानकारी देगी। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि अब भावी कृषि अनुसंधान खेती और किसानों की मांग पर आधारित होंगे। खेती की वर्तमान जरुरत के अनुसार ही वैज्ञानिकों को अनुसंधान करने के निर्देश दिए गए हैं। मूंग, उड़द, सोयाबीन, बाजरे के उत्पादन में वृद्धि के लिए अच्छे बीज बनाने के लिए वैज्ञानिकों को कहा गया है।

कृषि मंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री का अभिनंदन करते हुए कहा कि देश का सौभाग्य है कि हमें श्री नरेंद्र मोदी के रूप में प्रधानमंत्री का नेतृत्व मिला है। राष्ट्र को सर्वोपरि रखते हुए प्रधानमंत्री ने साफ कर दिया है कि देश के किसानों से हितों से समझौता नहीं किया जाएगा, चाहे उसके लिए उन्हें व्यक्तिगत क्षति ही क्यों ना उठानी पड़े। इस बड़े फैसले ने दुनिया के सामने भारत की मजबूत छवि स्थापित की है।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के कंजा में भूस्खलन के बाद उखड़े हुए पेड़ और मलबा कोटरंका-खवास मार्ग को अवरुद्ध कर दिया।

उत्तरकाशी में बारिश के बाद पहाड़ों पर छाए निचले बादल।

राज्यपाल श्री डेका ने वनवासी विकास समिति को दी एम्बुलेंस के लिए आर्थिक सहायता

संवाददाता

रायपुर, /राज्यपाल श्री रमेन डेका ने जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से वनवासी विकास समिति छत्तीसगढ़ प्रांत को एम्बुलेंस के लिए 7 लाख 63 हजार 5 सौ रूपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की है। उल्लेखनीय है कि इस संस्था द्वारा राज्य के 6 जिलों के 9 विकासखण्डों में स्वास्थ्य आरोग्य रक्षक 112 केंद्र संचालित किये जा रहे हैं। साथ ही समय समय पर निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन भी किया जाता है जिसमें विशेषज्ञ, चिकित्सकों द्वारा जांच एवं उपचार किया जाता है।

संस्था को आवागमन की दृष्टि से एम्बुलेंस की आवश्यकता थी जिसके लिए राज्यपाल द्वारा उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान की गई। राज्यपाल श्री डेका द्वारा प्रदत्त यह सहयोग सुदूर वनांचलों में मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

एमएसडीई ने ओडिशा में राष्ट्रीय आईटीआई उन्नयन स्कीम को आगे बढ़ाने के लिए परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया

पीआईबी

भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने व्यावसायिक प्रशिक्षण सुविधाओं को उन्नत और आधुनिक बनाने के राष्ट्रीय प्रयास के हिस्से के रूप में ओडिशा सरकार के कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के सहयोग से कल भुवनेश्वर के विश्व कौशल केंद्र में राष्ट्रीय आईटीआई उन्नयन स्कीम पर एक परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यशाला में आईटीआई उन्नयन के लिए राष्ट्रीय योजना के विजन, संरचना और प्रचालनगत ढांचे पर चर्चा की गई तथा उभरती कार्यबल आवश्यकताओं के साथ संयोजन सुनिश्चित करने के लिए उद्योग जगत, शिक्षा क्षेत्र और प्रशिक्षण संस्थानों से उनके विचार एकत्रित किए गए।

एमएसडीई के सचिव श्री रजित पुन्हानी ने उच्च-गुणवत्तापूर्ण, बाजार-संगत कौशल के माध्यम से भारत के युवाओं को सशक्त बनाने में इस योजना की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा, ÷राष्ट्रीय आईटीआई उन्नयन स्कीम केवल बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के बारे में नहीं, यह भारत में व्यावसायिक प्रशिक्षण के मूल स्वरूप को पुनर्जीवित करने के बारे में है। हब-एंड-स्पोक मॉडल, उद्योग-

आधारित शासन और वैश्विक-मानक प्रशिक्षण के माध्यम से, हमारा लक्ष्य आईटीआई को नवोन्मेषण, रोजगारपरकता और उद्यमिता का केंद्र बनाना है। अपने मजबूत औद्योगिक आधार और नए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के साथ, ओडिशा इस बदलाव का नेतृत्व करने और देश के बाकी हिस्सों को प्रेरित करने की अनूठी स्थिति में है। यह केवल युवाओं को वर्तमान में रोजगार के लिए तैयार करने से संबंधित नहीं है–यह उन्हें भविष्य की अर्थव्यवस्था में नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाने के बारे में है।÷

कार्यशाला में ओडिशा की आईटीआई यात्रा पर एक गहन प्रस्तुति दी गई, जिसमें तकनीकी शिक्षा, बुनियादी ढांचे के उन्नयन और उद्योग साझेदारी में राज्य की महत्वपूर्ण प्रगति पर प्रकाश डाला गया। इसमें राष्ट्रीय आईटीआई उन्नयन स्कीम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ओडिशा के दृष्टिकोण, तत्परता और कार्यनीतिक योजनाओं को रेखांकित किया गया, जिससे राज्य आधुनिक कौशल विकास में अग्रणी बन सके।

इसके अतिरिक्त, उद्योग प्रतिनिधियों ने आईटीआई प्रशिक्षण को भविष्य की कार्यबल आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने पर अपने विचार साझा किए, जबकि तकनीकी संस्थानों के प्राचार्यों और संकाय सदस्यों ने जमीनी स्तर के दृष्टिकोण, बहुमूल्य जानकारी और सुझाव प्रदान किए। प्रमुख अनुशंसाएं वैश्विक मानकों और उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पाठ्यक्रम उन्नयन, विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी)-आधारित मॉडल के लिए मार्गदर्शन सहायता, प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण की पहल को बढ़ावा देने, हाइब्रिड प्रशिक्षण विधियों को अपनाने, कौशल प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देने, रक्षा क्षेत्र के लिए विशेष प्रशिक्षण, चिकित्सा और कृषि में एआई के एकीकरण और प्रशिक्षुता के अवसरों को सुदृढ़ करने पर केंद्रित थीं।

ओडिशा के समृद्ध खनिज संसाधनों और भारत के खनन उद्योग में इसकी प्रमुख स्थिति को देखते हुए, हितधारकों ने इस क्षेत्र की विशिष्ट कार्यबल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लक्षित कौशल कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे ऐसी पहल स्थानीय उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करेंगी और उच्च-मूल्य वाले खनन कार्यों और संबद्ध उद्योगों में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेंगी।

अन्नपूर्णा देवी ने मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के तहत सेवाओं के वितरण में पारदर्शिता

जवाबदेही और दक्षता बढ़ाने में चेहरे से पहचान की पद्धति के महत्व को रेखांकित किया

पीआईबी

आज नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी की अध्यक्षता में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का एजेंडा ÷मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 में चेहरे से पहचान की पद्धति को लागू करना÷ था। बैठक में लोकसभा और राज्यसभा दोनों का प्रतिनिधित्व करने वाले संसद सदस्यों ने भाग लिया। इनमें श्रीमती सुधा मूर्ति, श्रीमती मंजू शर्मा, श्रीमती जोबा माझी, श्रीमती धर्मशीला गुप्ता, श्रीमती इंदु बी. गोस्वामी और श्रीमती किरण चौधरी शामिल थीं।

अपने संबोधन के दौरान श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने मिशन के तहत सेवाओं की आपूर्ति में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता बढ़ाने में चेहरे से पहचान की पद्धति (एफ्आरएस) के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि तकनीक की सहायता से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि लाभ केवल वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचे और किसी प्रकार की त्रुटियों और दोहराव को खत्म किया जा सके।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सचिव श्री अनिल मलिक ने सदस्यों को चेहरे से पहचान की पद्धति (एफ्आरएस) के तकनीकी और परिचालन पहलुओं से अवगत कराया। साथ ही पोषण ट्रैकर के

माध्यम से टेक-होम राशन (टीएचआर) वितरण की वास्तविक समय में निगरानी में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव श्री ज्ञानेश भारती ने कार्यान्वयन रणनीति, लाभ और योजना के प्रभाव पर विस्तृत प्रस्तुति दी। संसद सदस्यों ने अपने विचार साझा किए और इस पहल को और मजबूत बनाने के लिए रचनात्मक सुझाव दिए। उन्होंने लाभार्थियों को कुशल और जवाबदेह सेवा प्रदान करने की दिशा में एफ्आरएस की शुरुआत को एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

केंद्रीय मंत्री ने सांसदों के बहुमूल्य सुझावों के लिए उनका आभार व्यक्त किया और संबंधित अधिकारियों को सुझावों को शामिल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने जमीनी स्तर पर मुद्दों के समाधान के लिए संसद सदस्यों के साथ निरंतर सहयोग का आग्रह किया।

टीएचआर वितरण के दौरान पोषण ट्रैकर पर एफ्आरएस प्रक्रिया वितरण केंद्र से लाभार्थी के घर तक टेक-होम राशन डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय की ओर से चेहरे से पहचान की पद्धति (एफ्आरएस) को शुरू किया गया है। चेहरे से पहचान की पद्धति (एफ्आरएस) एक तकनीकी-सक्षम प्रमाणीकरण सुविधा है, जो आधार विवरण के आधार पर वास्तविक लाभार्थी का सत्यापन करती है। एफ्आरएस में दो चरण शामिल हैं, जैसे ऑन-बोर्डिंग (ईकेवाईसी, लाइव फोटो कैप्चरिंग और प्रमाणीकरण) और उसके बाद टीएचआर वितरण के दौरान चेहरे का मिलान किया जाता है।

ऑन बोर्डिंग (शुरुआत) : एफ्आरएस सिस्टम को लागू करने के लिए पंजीकृत लाभार्थियों को शामिल करने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को लाभार्थी का चेहरा लेना होगा और केवल एक बार ईकेवाईसी करना होगा, जिसके लिए आधार पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी भेजा जाएगा। योजना के तहत लाभार्थी जैसे गर्भावस्था से स्तनपान तक, 0-6 वर्ष, 14-18 वर्ष की किशोरियों का सम्पूर्ण ध्यान रखा जाता है। 5 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए बाल आधार बिना बायोमीट्रिक जारी किया जाता है। बच्चों के मामले में एफ्आरएस/ईकेवाईसी के लिए माता/पिता/अभिभावक की मदद ली जा रही है। पहली बार एफ्आरएस पूरा करने के बाद मासिक चेहरा मिलान : जब लाभार्थी का ई-केवाईसी और चेहरा कैप्चर पहली बार सफलतापूर्वक पूरा हो जाता है तो उनकी सत्यापित तस्वीर सिस्टम में सुरक्षित रूप से संग्रहीत कर ली जाती है। अगले महीने से नई ली गई तस्वीर (फोटो) की तुलना पहले से सत्यापित फोटो से करके चेहरा मिलान किया जाता है। मासिक चेहरा मिलान ऑफ्लाइन मोड में किया जा सकता है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

युक्तियुक्तकरण से स्कूलों में बढ़ी शिक्षा की गुणवत्ता, बच्चों का उज्ज्वल हो रहा भविष्य

संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की महत्वकांक्षी युक्तियुक्तकरण नीति ने ग्रामीण अंचलों के स्कूलों में शिक्षा की तस्वीर बदल दी है। जिन स्कूलों में पहले शिक्षक की कमी से पढ़ाई प्रभावित होती थी, वहां अब नियमित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुचारू रूप से संचालित हो रही है। दुर्ग जिले के हनोदा गांव का प्राथमिक स्कूल इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है। पहली से पांचवीं तक की कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चों को पहले पर्याप्त शिक्षक नहीं मिलते थे। एक समय तो स्थिति यह थी कि एक मानदेय शिक्षक सभी विषय पढ़ाने की जिम्मेदारी निभा रही थीं, जिससे सभी कक्षाओं में समान रूप से पढ़ाई कराना संभव नहीं हो पाता था। लेकिन युक्तियुक्तकरण के तहत इस स्कूल में तीन नए शिक्षकों की नियुक्ति होने के बाद हालात पूरी तरह बदल गए हैं। अब प्रत्येक कक्षा के लिए अलग-अलग शिक्षक उपलब्ध हैं और बच्चों को

विषयवार पढ़ाई मिल रही है। स्कूल प्रभारी श्रीमती सरोजनी वर्मा ने बताया कि इस पहल से स्कूल में सकारात्मक बदलाव आए हैं। उन्होंने गर्व से कहा हनोदा स्कूल के तीन विद्यार्थियों का चयन नवोदय विद्यालय में हुआ है, जो यहां की गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था का प्रमाण है।

विद्यालय में कमजोर छात्रों के लिए विशेष कक्षाएं आयोजित की जाती हैं, जिनमें उनकी बुनियादी जानकारी को मजबूत किया जाता है। बच्चों की लगन और अनुशासन का अंदाज़ा इसी से लगाया जा सकता है कि वे नियमित रूप से होमवर्क पूरा कर लाते हैं। इतना ही नहीं, अभिभावक भी शिक्षा के प्रति सजग हैं और यदि बच्चों को होमवर्क नहीं दिया जाता तो स्वयं विद्यालय आकर कारण पूछते हैं। ग्रामीण अंचलों के कई स्कूलों में हनोदा की तरह हुए ये बदलाव इस बात का प्रमाण हैं कि युक्तियुक्तकरण केवल शिक्षक पुनर्वितरण का कदम नहीं, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों के भविष्य को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प है।

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंकराम वर्मा स्वतंत्रता दिवस पर शासकीय हाई स्कूल मैदान जांजगीर में करेंगे ध्वजारोहण

जांजगीर-चांपा / 15 अगस्त 2025 स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर

जिला मुख्यालय में आयोजित होने वाले समारोह में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंकराम वर्मा मुख्य अतिथि होंगे तथा शासकीय हाई स्कूल मैदान जांजगीर में ध्वजारोहण करेंगे। जिसके पश्चात राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री वर्मा परेड की सलामी लेंगे तथा मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन के संदेश का वाचन करेंगे।

रात्री में रास्ता रोककर लूटपाट के दो आरोपियों को जांजगीर थाना व सायबर पुलिस ने पकड़ा

जांजगीर चांपा।

रात्री में रास्ता रोककर लूटपाट के दो आरोपीयों को जांजगीर पुलिस व सायबर टीम की संयुक्त टीम ने पकड़ा है । मामले में मिली जानकारी अनुसार दिनांक 10 अगस्त 2025 के रात्रि करीबन 10:30 बजे प्रार्थी राजकुमार यादव निवासी परसदा अपनी मोटर सायकल से ग्राम मुडपार जा रहा था कि बीच रास्ते ग्राम तिलई बिजली सब स्टेशन के आगे मुडपार मेन रोड में पहुंचा था , तभी पीछे से एक मोटर सायकल से दो व्यक्ति ओव्हर टेक रास्ता रोक ।

रोकने के बाद अश्लील गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देकर पत्थर से एक ने सिर पर मारा एवं दूसरा ने हाथ मुक्का से मारपीट करते हुए मोबाइल को लुट लिए । प्रार्थी द्वारा चिल्लाने पर दोनो वहां से भाग गए जिसकी सूचना रिपोर्ट पर आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया । लुट की प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक

जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में थाना जांजगीर एवं सायबर टीम द्वारा तत्काल घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। विवेचना दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में पुलिस को मुखबिर सूचना मिली कि अमरताल के आदित्य सिंह सोनवानी मोबाईल बेचने के लिए ग्राहक खोज रहा है। उक्त सूचना पर सीएसपी श्रीमती कविता ठाकुर के नेतृत्व में आदित्य सिंह सोनवानी को पकड़ा जिसको घटना के संबंध में पूछताछ किया जो अपने साथी रहिमान भारद्वाज के साथ घटना कारित करना बताए जाने से उनके साथी को भी पकड़ा ।

दोनों का पृथक -पृथक मेमोरेण्डम कथन लिया जिसमें रास्ता रोकर मारपीट कर लूट करना स्वीकार किये जाने से घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल एवं लुट के मोबाईल को बरामद किया जाकर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक मणिकांत पाण्डेय, निरीक्षक सागर पाठक साइबर सेल प्रभारी, साइबर टीम सउनि विवेक सिंह, प्र आर विवेक सिंह, आर. गिरीश कश्यप, माखन साहू, शहबाज खान, प्रदीप दुबे, श्रीकांत सिंह, रोहित कहरा *थाना जांजगीर से प्रधान आरक्षक

स्वतंत्रता दिवस मुख्य समारोह के आयोजन का किया गया अंतिम रिहर्सल

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों का लिया जायजा

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय ने आज शासकीय हाई स्कूल मैदान जांजगीर में स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम, परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतिम रिहर्सल व तैयारियों का जायजा लिया। स्वतंत्रता दिवस समारोह के अंतिम रिहर्सल में कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई। उन्होंने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली और परेड कमांडरों से परिचय प्राप्त किया। इस दौरान जिला स्तरीय कार्यक्रम का

मिनट्स टू मिनट्स अभ्यास किया गया। साथ ही कार्यक्रम की तैयारी का फुल ड्रेस रिहर्सल किया गया।

कलेक्टर-एसपी ने बैठक व्यवस्था, ध्वजारोहण, बेरीकेट्स, सुरक्षा, पार्किंग, प्रवेश द्वार आदि व्यवस्था का निरीक्षण कर आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम व अन्य तैयारियों का अवलोकन किया एवं उपस्थित सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेंद्र सिंह ठाकुर, अपर कलेक्टर श्री आर के तंबोली, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री उमेश कश्यप, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री उदयन बेहार सहित अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी उपस्थित थे।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की हुई समीक्षा बैठक

पीएम आवास योजना की नियमित करें मॉनिटरिंग - सीईओ गोकुल रावटे

जांजगीर-चांपा / जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरे किए जाएं, ताकि योजनाओं का लाभ समय पर लोगों तक पहुंच सके। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राहियों को स्वीकृति मिलने के बाद तत्काल निर्माण कार्य प्रारंभ कराने एवं हितग्राहियों को आवास शीघ्र पूर्ण करने के लिए प्रेरित करते हुए नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

जिला पंचायत सीईओ श्री रावटे ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण

के तहत जिन ग्राम पंचायतों में कचरा कलेक्शन की व्यवस्था है, वहां उपभोक्ताओं से निर्धारित शुल्क लिया जाए। जनपद पंचायतों में फिक्कल स्लज मैनेजमेंट सिस्टम और प्लास्टिक मैनेजमेंट यूनिट प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत मानव दिवस के लक्ष्य के अनुसार कार्य सुनिश्चित करने, समयबद्ध मजदूरी भुगतान करने कहा। उन्होंने पी एम आवास योजना के साथ ही कृषि आधारित कार्यों पर विशेष फोकस करने कहा। बैठक में पूर्व स्वीकृत अधूरे कार्यों को समयसीमा में पूर्ण करने एवं सामाजिक अंकेक्षण एवं लंबित मामलों का निपटारा करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छताः स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग' अभियान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामूहिक परिचर्चा और जन-जागरूकता रैली जैसी गतिविधियाँ आयोजित करने कहा। छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष होने पर रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाने एवं इसकी तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे ने उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों को नशा मुक्त अभियान की शपथ दिलाई। बैठक में उप संचालक श्री अभिमन्यु साहू, आर ई एस ई ई, सर्व जनपद पंचायत सीईओ, आरईएस एस डी ओ, कार्यक्रम अधिकारी, ब्लॉक कार्डिनेटर, तकनीकी सहायक उपस्थित रहे।

अमृत सरोवर तटों पर स्वतंत्रता दिवस पर होगा ध्वजारोहण

जांजगीर-चांपा कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोकुल रावटे के मार्गदर्शन में स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के अवसर पर जिले के सभी अमृत सरोवर स्थलों पर उल्लासपूर्ण माहौल में तिरंगा फहराया जाएगा। महात्मा गांधी नरेगा के तहत निर्मित इन अमृत सरोवरों के तटों पर ध्वजारोहण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और जन-जागरूकता से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, तिरंगा यात्रा, हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छताः स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग' अभियान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामूहिक परिचर्चा और जन-जागरूकता रैली जैसी गतिविधियाँ होंगी। इनका उद्देश्य अमृत सरोवरों को न केवल जल संरक्षण का प्रतीक बनाना है, बल्कि उन्हें हरित और स्वच्छ भारत के संकल्प से भी जोड़ना है। जिला पंचायत सीईओ द्वारा जनपद पंचायत सीईओ को कार्यक्रमों की विस्तृत तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें जनप्रतिनिधि, ग्राम पंचायत के ग्रामीण, स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राएं, स्व-सहायता समूह, मनरेगा जॉब कार्ड धारी परिवार और अधिकारी कर्मचारी सहित सभी हितग्राहियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

मोतीपुर नगर से 15 अगस्त को पूर्व सैनिक तिरंगा यात्रा निकालेंगे

राजनांदगांव। स्वतंत्रता दिवस की अवसर पर मोर तिरंगा मोर अभियान के अंतर्गत 15 अगस्त को समय 10 बजे मोतीपुर नगर वासियों द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद छत्तीसगढ़ जिला इकाई राजनांदगांव एवं अखिल भारतीय सैन्य मातृशक्ति जिला राजनांदगांव के सभी पूर्व सैनिक एवं सैन्य मातृशक्ति भी स्वतंत्रता दिवस की राष्ट्रीय तिरंगा सम्मान में सम्मिलित होंगे। जिसमें मुख्यत : अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला राजनांदगांव से जिला अध्यक्ष अशोक झा,संरक्षक गुरमीत सिंह भाटिया, पूर्व जिला अध्यक्ष बसंत रावटे, गुमान दास साहू, झनक लाल विश्वकर्मा, कमलेश विजयवार, टी राव,पी राजू,ए के तिवारी, अमर साव,ईश्वर जागृति, उमेश गंगबेर, संतोष सिंह, मातृशक्ति में जिला अध्यक्ष वर्षा राऊटे, ठगिया साहू,संगीता साहू, संगीता राव, शिवानी साव सहित अन्य मातृशक्ति उपस्थित होंगे। और तिरंगा यात्रा का सहसंयोजक अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद का संयोजक संतोष सिंह है इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के सैनिक राजनांदगांव में डोंगरगढ़ के अपने सैनिक ड्रेस में सबसे अलग से दिखाई देंगे आगे जानकारी देते हुए पूर्व सैनिक अंगेश्वर प्रसाद सिन्हा अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद राजनांदगांव ने आगे बताया कि हर घर तिरंगा घर-घर तिरंगा यात्रा नगर पालिका के डोंगरगढ़ भ्रमण रैली में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला राजनांदगांव इकाई डोंगरगढ़ की सदस्य सूबेदार मेजर ए के पांडे सूबेदार मेजर झनक लाल विश्वकर्मा, हवलदार राजेंद्र तिवारी सहित अन्य शामिल हुए।

स्वतंत्रता दिवस से पूर्व स्वच्छता पखवाड़ा का सफल आयोजन, जन-जागरूकता बढ़ाने का उद्देश्य

रायपुर। बिलासपुर रेलवे मंडल में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल ने 1 से 15 अगस्त 2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया। इस पखवाड़े का उद्देश्य जन-जागरूकता बढ़ाकर रेलवे परिसरों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ बनाना है। इस पहल के तहत 9, 10 और 11 अगस्त को मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। आधुनिक सफाई मशीनों, औजारों और उपकरणों की उपलब्धता और कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया गया। सफाई कर्मचारियों को आवश्यक सुरक्षात्मक उपकरण उपलब्ध कराए गए ताकि वे सुरक्षित और प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें। यंत्रीकृत सफाई उपकरणों की उपस्थिति और सही उपयोग सुनिश्चित किया गया। रेलवे कॉलोनियों, कार्यालयों, स्टेशन परिसरों, विश्राम गृहों, शयनगृहों, रनिंग रूम, अस्पतालों, स्वास्थ्य इकाइयों और स्कूलों में कूड़ा-

कचरा न फैलाएं विषय पर जागरूकता नोटिस भी प्रदर्शित किए गए। इसके साथ ही रेलवे भूमि एवं कॉलोनियों में वृक्षारोपण अभियान भी सफलतापूर्वक संचालित किया गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बल मिला।

मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों में कूड़ा-कचरा प्रबंधन के लिए विशेष इंतजाम किए गए। गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग संग्रहित करने के लिए पर्याप्त संख्या में डस्टबिन लगाए गए हैं, ताकि कचरे का उचित निष्पादन सुनिश्चित हो सके। इस पहल से न केवल स्टेशन परिसरों में स्वच्छता बनी रहेगी, बल्कि यात्रियों और कर्मचारियों में पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी भी जागृत होगी।

स्वच्छता पखवाड़े के दौरान डस्टबिन के सही उपयोग हेतु विशेष जागरूकता अभियान भी चलाया गया, जिसमें रेल उपयोगकर्ताओं को अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व से अवगत कराते हुए गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग संग्रह करने के लिए प्रेरित किया गया। विभिन्न स्थानों पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें यात्रियों और रेलवे कर्मियों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई। यह निरंतर प्रयास रेलवे परिसरों में न केवल स्वच्छता को बढ़ावा देते हैं, बल्कि यात्रियों और कर्मचारियों के बीच पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करते हैं। इस पहल से एक स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित हो रहा है, जो रेलवे की सामाजिक जिम्मेदारी के साथ-साथ सतत विकास की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

खास खबर

केबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन 15 अगस्त को करेंगे ध्वजारोहण

स्वतंत्रता दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का होगा आयोजन

कोरबा जिले में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय में आयोजित मुख्य समारोह में वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे। स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह फुटबॉल ग्राउंड सीएसईबी कोरबा(पूर्व) में आयोजित होगा। प्रातः 08:59 बजे मुख्य अतिथि का समारोह स्थल पर आगमन होगा। प्रातः 09 बजे मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण, प्रातः 09:01 बजे सलामी एवं राष्ट्रगान, प्रातः 09:03 बजे से 09.12 बजे तक मुख्य अतिथि द्वारा परेड का निरीक्षण एवं हर्ष फ ायर, 09:12 बजे से 09.25 तक परेड का मार्च पास्ट, 09.25 से 09.27 बजे परेड की समीक्षा एवं सलामी, 09.27 तक 09.47 बजे तक मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन, 09:47 से 09.50 बजे रंगीन गुब्बारा उड़ाना, 09.50 से 10.05 बजे परेड का प्रस्थान एवं परेड कमाण्डरों का परिचय, 10:05 से 10.10 बजे मुख्य अतिथि के साथ परेड कमाण्डरों की छायाचित्र, 10.10 से 10.15 बजे शहीद परिवारों का सम्मान,10.15 से 10.45 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम, 10.45 से 11 बजे सम्मान/पुरस्कार वितरण, प्रातः 11 से 11.10 बजे आभार प्रदर्शन एवं कार्यक्रम का समापन होगा।

नवोदय कोरबा कक्षा ग्यारहवीं की आवेदन तिथि बढ़ी

कोरबापीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 11वीं की आवेदन की तिथि बढ़ाई गई है। कक्षा 11वीं वर्तमान सत्र 2025-26 के लिए विद्यालय में कुल 11 रिक्त सीटों जिसमें से 10 कला संकाय और 01 विज्ञान संकाय के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इन सीटों को कोरबा जिले के मान्यता प्राप्त विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा भरा जाना है। जो विद्यार्थी इसी वर्ष कक्षा दसवीं उत्तीर्ण किए हुए हो वे आवेदन कर सकते हैं। आवेदक नवोदय विद्यालय समिति के वेबसाइट से फॉर्म डाउनलोड कर उसे पूर्ण भरकर नवोदय विद्यालय कोरबा की मेल आईडी पर प्रेषित कर सकते हैं या ऑफ्लाइन मोड पर भी आकर जमा कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 अगस्त है। किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर विद्यालय के प्रवेश प्रभारी शिक्षक रामावतार साकरे व शेर अफगान से या कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

एमएसएमई उद्यमियों के लिए इण्डस्ट्री एवं बैंकर्स मीट का आयोजन आज

कोरबा जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र कोरबा द्वारा आरएएमपी योजना के अंतर्गत एमएसएमई उद्यमियों को बैंकिंग सेवाओं, ऋण योजनाओं एवं वित्तीय सहायता की उपलब्धता से अवगत एवं लाभान्वित कराने हेतु इण्डस्ट्रीज एवं बैंकर्स मीट का आयोजन बुधवार 13 अगस्त को दोपहर 12 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष कोरबा में रखा गया है। संस्था के महाप्रबंधक ने बताया कि यह कार्यक्रम बैंक अधिकारियों एवं उद्यमियों के बीच प्रत्यक्ष संवाद का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा जिससे ऋण वितरण में आ रही बाधायें जैसे-ऋण अस्वीकृति, दस्तावेजों की कमी ।

बिलासपुर : स्वच्छता संगम 2025 कार्यक्रम में सीएम, 300 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमि पूजन

एजेंसी

बिलासपुर में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के कार्यक्रम स्वच्छता संगम 2025 में सीएम विष्णुदेव साय शामिल हुए। स्वच्छता सिपाहियों का किया सम्मान। हाथ में तिरंगा लेकर स्वच्छता का संकल्प लिया।

प्रदेश के मुखिया विष्णु देव साय आज एक दिवसीय प्रवास पर बिलासपुर पहुंचे यहां उन्होंने दो अहम कार्यक्रमों में शिरकत की। पहले वे गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह में शामिल हुए और प्रतिभाशाली छात्रों का सम्मान किया।इसके बाद वे स्वच्छता संगम 2025 कार्यक्रम में पहुंचे उन्होंने सफाई सिपाहियों का सम्मान किया और इसके बाद उन्होंने करीब 300 करोड़ की लागत से बनने वाले विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि पूजन किया। इन कार्यों में कई सड़कों, भवनों और कार्यालयों का निर्माण शामिल है।सीएम साय ने इस मौके पर छत्तीसगढ़ में स्वच्छता को लेकर एक डॉक्यूमेंट्री भी लॉन्च की साथ ही प्रदेश स्तरीय नगरीय निकाय स्वच्छता प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।इस प्रतियोगिता में स्वच्छता सर्वेक्षण मानकों के अनुरूप ही मूल्यांकन किया जाएगा।इसके साथ ही प्रदेश के 46 नगरीय निकायों में प्रॉपर्टी टैक्स भुगतान को आसान बनाने के लिए उन्होंने प्रॉपर्टी टैक्स पोर्टल का शुभारंभ किया। अब इन निकायों की प्रॉपर्टी टैक्स ऑनलाइन जमा हो सकेगी। साथ ही संपत्ति से जुड़ी अन्य जानकारी के लिए भी यह पोर्टल कारगर साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में घोषणा की कि राष्ट्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में जो नगरीय निकाय अपनी श्रेणी में देशभर में पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल करेगा उसे राज्य सरकार क्रमशः एक करोड़, 50 लाख और 25 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि देगी सीएम ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज स्वच्छता के क्षेत्र में देशभर में अपनी अलग पहचान बना चुका है। इसमें सफाई दीदियों का अहम योगदान है।

15 अगस्त 2014 को लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता अभियान की शुरुआत की थी उस समय इसका खूब उपहास उड़ाया गया था लेकिन आज इसका महत्व सभी मान रहे हैं। डेढ़ वर्षों में राज्य सरकार ने मोदी की अधिकांश गारंटियों को पूरा करने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं। इस उपलब्धि का श्रेय नगरीय निकाय मंत्री अरुण साव को भी जाता है। जिनके नेतृत्व में सफाई व्यवस्था और जनभागीदारी ने नई ऊंचाइयां छुई हैं।

आरक्षक संवर्ग पदों हेतु ऑनलाइन आवेदन 27 तक

कोरबा संवाददाता। पुलिस मुख्यालय, छत्तीसगढ़, नवा रायपुर के अंतर्गत जिला पुलिस बल में आरक्षक संवर्ग के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल (व्यापम) द्वारा लिखित परीक्षा (PHQC25) आयोजित की जा रही है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया एवं परीक्षा कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ शासन, गृह (पुलिस) विभाग एवं पुलिस महानिदेशक, छत्तीसगढ़ द्वारा प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर व्यापम ने संभावित परीक्षा कार्यक्रम निर्धारित किया है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी व्यापम की वेबसाइट vyapam-cg.cgstate.gov.in पर पंजीयन कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 27 अगस्त 2025 (बुधवार) सायं 5:00 बजे तक, परीक्षा तिथि 14 सितम्बर (रविवार) ,प्रवेश पत्र जारी होने की तिथि 08 सितम्बर 2025 (सोमवार), परीक्षा केन्द्र राज्य के 05 संभागीय मुख्यालयों में निर्धारित किया गया है। अभ्यर्थियों को आवेदन के समय परीक्षा शुल्क का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से करना होगा। छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार, राज्य के स्थानीय निवासी अभ्यर्थी जो परीक्षा में सम्मिलित होंगे, उनका परीक्षा शुल्क व्यापम द्वारा उसी बैंक खाते में वापस कर दिया जाएगा, जिससे भुगतान किया गया है।

छत पर सजे सूरज के घर से चमका जीवन – बचत की खुशी, पर्यावरण की रोशनी'

कोरबा (संवाददाता)।

पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ अब कोरबा जिले के हर मोहल्ले और बस्ती तक पहुँच रहा है। इस योजना ने न केवल लोगों के बिजली बिलों में भारी बचत कराई है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से पर्यावरण के संरक्षण में भी अहम योगदान दिया है। कोरबा जिले के नगरीय क्षेत्र हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, दादर खुर्द निवासी शंकर पुरी जिन्होंने अपने घर की छत पर सौर ऊर्जा का 'सूर्यघर' स्थापित कर जीवन में नई ऊर्जा भर दी है।

शंकर पुरी, जो अपने परिवार के साथ हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रह रहे हैं, हमेशा से बिजली बिल के खर्च और बिजली चले जाने की समस्या से चिंतित थे। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के बारे में जानकारी मिलने पर उन्होंने बिना देर किए योजना का लाभ उठाने का निर्णय लिया। योजना के तहत उन्होंने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप पैनल स्थापित किया। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि लाभार्थियों को केंद्र सरकार की ओर से सीधा अनुदान (सब्सिडी) प्रदान किया जाता है, जिससे प्रारंभिक निवेश का बोझ काफी कम हो जाता है। शंकर पुरी को भी इस योजना के अंतर्गत रूपये 78 हजार की सब्सिडी सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त हुई। इससे उन्हें सोलर पैनल स्थापना के कुल खर्च का बड़ा हिस्सा कवर करने में मदद मिली।

सोलर पैनल लगने के बाद से पुरी को हर महीने बिजली बिल में बचत हो रही है। उनका कहना है कि यह बचत साल भर में एक बड़ी राशि बन जाती है, जिसे वे परिवार की अन्य आवश्यकताओं और बच्चों पर खर्च कर पा रहे हैं। साथ ही, यह प्रणाली पर्यावरण के लिए भी लाभकारी है। सौर ऊर्जा के उपयोग से सालाना लगभग 3.5 टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आती है, जो वातावरण को स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। पुरी बताते हैं कि उन्हें यह जानकर गर्व होता है कि उनका छोटा-सा प्रयास भी जलवायु परिवर्तन से लड़ने के वैश्विक प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने बताया योजना की प्रक्रिया बेहद पारदर्शी और सरल थी।

अपने अनुभव को साझा करते हुए पुरी ने योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद देते हुए कहा - ÷मैं सभी नागरिकों से अपील करता हूँ कि वे प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना का लाभ अवश्य लें। इससे न केवल आर्थिक बचत होती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण भी सुनिश्चित होता है। प्रारंभिक लागत को लेकर डरने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि सरकार की ओर से मिलने वाली सब्सिडी और लंबी अवधि की बचत इसे एक लाभकारी निवेश बनाती है।÷

जर्जर सड़क को लेकर चक्काजाम: मस्तूरी-जोंधरा मार्ग बारिश में बदहाल, सड़क पर उतरे गुस्साए लोग

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में खराब सड़कों और मरम्मत की मांग को लेकर लोगों ने सोमवार को चक्काजाम कर दिया। इससे कुछ समय तक वाहनों की आवाजाही ठप रही। यह विरोध मल्हार क्षेत्र के बकरकुदा, सरसेनी, मटिया, चकरबेड़ा, बिनैका और धनगांव-पकरिया समेत आसपास के ग्रामीणों ने पहले ही सड़क की बदहाली को लेकर आंदोलन की चेतावनी दी थी। तय कार्यक्रम के अनुसार, सोमवार सुबह लोग सड़कों पर उतर आए और आवागमन पूरी तरह रोक दिया। उनकी मांग है कि जल्द से जल्द सड़कों की मरम्मत की जाए। लोग बोले- अफसरों की उदासीनता से उधड़ी सड़क ग्रामीणों का कहना है कि मुख्य मार्ग और गांवों को जोड़ने वाली सड़कों की हालत पिछले कई सालों से बेहद खराब है। बारिश में सड़क पर बने गड्ढों से गुजरना बेहद खतरनाक हो गया है, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग ध्यान नहीं दे रहा है। अफसरों की उदासीनता के चलते बारिश में सड़क जर्जर हो गई है।

राखी बाँधने भाई के घर गई, वापस आई तो चोरी हो गए थे गहने, आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। प्रार्थीया दुर्गा कौशिक निवासी चकरभाठा द्वारा दिनांक 10.08.2025 को थाना चकरभाठा उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि 09.08.2025 को अपने दोनों बच्चों के साथ अपने भाई को राखी बांधने ग्राम परसदा गई थी राखी बांधकर वापस अपने घर चकरभाठा आई तो देखी कि घर की खिड़की टूटी हुई है और अलमारी का भी ताला टूटा हुआ है जिसमें 01 नग सोने का लॉकेट, 02 नग सोने के कान का टॉप्स, 10 नग सोने का मोती, नगदी 5000 रुपए जुमला कीमती 50000 को चोरी कर ले गया है, कि रिपोर्ट से तत्काल श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह को अवगत कराया गया जिनके द्वारा उक्त घटना को अंजाम देने वाले चोर को तत्काल गिरफ्तार कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उक्त निर्देश के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसीसीयू अनुज कुमार एवं नगर

पुलिस अधीक्षक चकरभाठा रश्मित कौर चावला के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी चकरभाठा निरीक्षक उत्तम साहू द्वारा थाना स्तर पर टीम गठित कर तत्काल आरोपी की पतासाजी हेतु सीसीटीवी कैमरा का अवलोकन किया गया जिसमें एक व्यक्ति घर में घुसते दिखाई दिया जिसकी पहचान आरोपी वीरेंद्र विश्वकर्मा के रूप में होने पर उसे अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर चोरी की घटना करना स्वीकार कर चोरी किए मशरुका को बरामद कराया जिसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से कोरबा का घर-घर बन रहा ऊर्जा आत्मनिर्भर

केशरवानी परिवार ने सौर ऊर्जा से पाई बचत और पर्यावरण सुरक्षा की दोहरी सौगात

कोरबा केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना देश को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल है। इस योजना का लक्ष्य है हर घर को स्वच्छ, नवीकरणीय और किफायती ऊर्जा से जोड़ना, जिससे न केवल बिजली बिलों में बचत हो, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों को सीधे राहत पहुंचाने और सतत विकास के लक्ष्य भी पूरे हों। इसी सोच और उद्देश्य को साकार करते हुए, कोरबा जिले के आर.पी. नगर निवासी मनोज केशरवानी और उनकी पत्नी श्रीमती अन्नपूर्णा केशरवानी ने सौर ऊर्जा अपनाकर आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक लाभ की प्रेरक मिसाल पेश की है।

मनोज केशरवानी, जो वर्षों से बिजली बिल के खर्च से परेशान थे, प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के बारे में जानकारी मिलने पर तुरंत इसमें जुड़ने का निर्णय लिया। उन्होंने अपने घर की छत पर 2 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल लगवाया। इस पर उन्हें केंद्र सरकार से रूपये 78 हजार की सब्सिडी मिली, जिससे आर्थिक बोझ काफी कम हो गया। अब उनके घर में दिनभर सूर्य की किरणों से उत्पन्न बिजली का उपयोग होता है, जिससे उनका मासिक बिजली बिल लगभग शून्य हो गया है। योजना से पहले हर महीने आने वाले बिजली बिल से परिवार का बजट प्रभावित होता था। लेकिन सोलर पैनल लगने के बाद अब वे इस राशि की बचत अन्य आवश्यक कार्यों में कर पा रहे हैं। अब न केवल बिल से मुक्त हैं, बल्कि अतिरिक्त ऊर्जा को ग्रिड में देकर क्रेडिट भी प्राप्त कर रहे हैं। यह योजना उनके जीवन में आर्थिक, मानसिक और पर्यावरणीय - तीनों स्तरों पर सकारात्मक बदलाव लेकर आई है। इस योजना ने केशरवानी परिवार को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाया है, साथ ही वे पर्यावरण संरक्षण में भी अहम योगदान दे रहे हैं। सौर ऊर्जा के उपयोग से हर साल कई टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आती है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और हरित भविष्य की दिशा में बड़ा कदम है।

रजत जयंती वर्ष अंतर्गत दिए गए दायित्वों का जिम्मेदारी से निर्वहन करें विभाग : कलेक्टर

संवाददाता।

पीएम आवास निर्माण में गड़बड़ी की शिकायत पर रोजगार सहायकों पर कार्यवाही के दिए निर्देश

कोरबा। कलेक्टर अजीत वसन्त ने आज समय सीमा की बैठक लेकर विभागीय कामकाजों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने लम्बित प्रकरणों पर शीघ्र कार्यवाही करते हुए प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री वसन्त ने छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और विभागों को दिए गए निर्देशों के तहत आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने विभागों को जिम्मेदारी के साथ रजत जयंती वर्ष में गतिविधियों के आयोजन के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने स्वतंत्रता दिवस के पूर्व सभी नगरीय निकायों, ग्राम पंचायतों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आमनागरिको की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए तिरंगा यात्रा का आयोजन करने के निर्देश दिये। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों की जानकारी ली और निर्देशित किया कि जिन विभागों को जो जिम्मेदारी दी गई है वे कार्यक्रम स्थल पर गंभीरता से पालन सुनिश्चित करेंगे।

समय सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने सभी विभागों को ई-ऑफिस के माध्यम से फाइलों को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने पुराने फ ाइलों की नस्ती बनाकर संरक्षित रखने के निर्देश देते हुए कहा कि अब जो भी फ़ाइल उनके समक्ष प्रस्तुत की जाती है उसे मैनुअल न प्रस्तुत कर ई-ऑफिस के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत की जाए। कलेक्टर ने अटल डिजिटल डैशबोर्ड के अंतर्गत कम केपीआई वाले विभागों को महत्वपूर्ण इंडिकेटर्स में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने श्रम, नगर निगम,समाज कल्याण विभाग, राजस्व विभाग, स्वास्थ्य, कृषि विभाग के अधिकारियों को केपीआई के इंडिकेटर्स को ध्यान रखकर कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग को पेंशन राशि हितग्राहियों के खाते में डीबीटी के माध्यम से करने, राजस्व विभाग को विवादित-अविवादित नामान्तरण के निराकरण, सीमांकन, त्रुटि सुधार, वृक्ष कटाई के प्रकरणों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सर्वे में मृत लोगों की जानकारी सामने आने के बाद आयुष्मान कार्ड, राशनकार्ड के डाटा से मृतक के नाम विलोपित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पोड़ी उपरोड़ा सहित कटघोरा,पाली और शहरी क्षेत्रों में शिविर लगाकर आधार अपडेट कराने के निर्देश एसडीएम, जनपद सीईओ को दिए। कलेक्टर ने आधार अपडेट में रुचि नहीं लेने पर संबंधित अधिकारियों पर एक सप्ताह के पश्चात कार्रवाई करने की बात कही। उन्होंने प्रगति नहीं होने पर आधार ऑपरेटर पर भी कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने विभिन्न विभाग अंतर्गत टीएल के लिए चिन्हित विषयों भू अर्जन खाता, वन अधिकार पत्र पर डीएफओ के हस्ताक्षर, रेडी टू ईट, रिकॉर्ड रूम,आंगनबाड़ी, शासकीय भूमि की रजिस्ट्री निरस्त करने , मड़वारानी मंदिर में पेयजल आपूर्ति,किसान पंजीयन आदि पर चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने पीएम आवास निर्माण में रोजगार सहायकों के विरुद्ध मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जनपद सीईओ को निर्देशित किया कि शिकायत मिलने पर उनके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाए। कलेक्टर ने वसूली वाले प्रकरणों में भी कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व प्रकरणों में 5 एवं 3 वर्ष से लंबित प्रकरणों का निराकरण और फौती, नामांतरण के प्रकरणों का शिविर लगाकर निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान (प्रशिक्षु आईएएस) एसडीएम कटघोरा तन्मय खन्ना, अभिजीत गुरभेले, अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल सहित सभी एसडीएम, जिला अधिकारी और सार्वजनिक उपक्रमों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

महिला आईटीआई कोरबा में प्रवेश, ऑनलाइन आवेदन 16 तक

कोरबा

शासकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कोरबा में संचालित व्यवसाय कम्प्यूटर आपरेटर एवं प्रोग्रामिंग असिस्टेंट, स्युईंग टेक्नालाजी (कटिंग टेलरिंग) एनसीव्हीटी, एवं एससीव्हीटी स्युईंग टेक्नालाजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए इच्छुक छत्तीसगढ़ में मूल निवासी आवेदक अपने स्तर से अथवा किसी भी लोक सेवा केन्द्र (च्वाईस सेंटर) से वेबसाइट सीजीआईटीआई डाट सीजीस्टेट डाट जीओव्ही डाट इन के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण की इस वेबसाईट पर प्रवेश विवरणिका उपलब्ध है जिसे डाउनलोड किया जा सकता है। सत्र 2025 से प्रारंभ होने वाले सत्र में प्रवेश हेतु निर्धारित शैक्षणिक अहर्ता एवं अन्य समस्त जानकारी प्रशिक्षण विवरणिका में उपलब्ध है।

ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन करने की तिथि 16 अगस्त 2025 तक निर्धारित है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए छत्तीसगढ़ द्वारा अधिकृत अधिकारी द्वारा जारी किया हुआ स्थायी जाति प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है।

रायपुर में ग्रीन पालना अभियान- नवप्रसूताओं को मिली 80 फलदार पौधों की सौगात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप, जिला प्रशासन रायपुर ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल ग्रीन पालना अभियान के अंतर्गत, सरकारी अस्पतालों में प्रसव उपरांत माताओं को 5 फलदार पौधों :- आम, अमरूद, जामुन, पपीता और मुनगा के पौधे भेंट दिए जा रहे हैं।

आज इस अभियान के तहत धरसींवा ब्लॉक 03, तिल्दा ब्लॉक 02, आरंग ब्लॉक 02, अभनपुर ब्लॉक 02, बिरगांव रायपुर 01 और शहरी रायपुर 06, कुल 16 प्रसूताओं को 80 पौधे भेंट किए गए। यह पहल न केवल नवजात शिशु के जीवन की नई शुरुआत का प्रतीक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हरियाली और स्वच्छ पर्यावरण का संदेश भी देती है।

तेरहवीं इंटर स्कूल जूडो प्रतियोगिता 23 एवं 24 को

जगदलपुर । ऑल बस्तर जिला जूडो संघ द्वारा इंटर स्कूल जूडो प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 23 एवं 24 अगस्त 2025 तक स्थानीय टाऊन हाल में रखा गया है। उक्त प्रतियोगिता में सम्भाग व सम्भाग के बाहर की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता सब जूनियर, जूनियर, सीनियर वर्ग की होगी साथ ही 10 वर्ष के कम वर्ग के खिलाड़ियों की भी प्रतियोगिता रखी गई है। उक्त प्रतियोगिता में 260 खिलाडी व 20 अधिकारी भाग लेंगे। सभी खिलाड़ी व अधिकारियों की रहने-खाने की व्यवस्था संघ द्वारा की गयी है। जूडो संघ के अध्यक्ष किरण सिंह देव व सचिव अब्दुल मोईन के मार्गदर्शन पर प्रतियोगिता भारतीय जुड़ो महासंघ के नियमों-उपनियमों के अनुसार संपन्न होगी। प्रतियोगिता की कमियों को दूर करने के लिये संघ युद्ध स्तर पर काम कर रही है।

शिक्षक विहीन विद्यालयों को मिले शिक्षक, बच्चों को मिल रही नियमित और गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर लागू शाला-शिक्षक युक्तियुक्तकरण नीति ने प्रदेश के शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव की नई इबारत लिखी है। इस नीति के तहत प्रदेशभर के शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षकों का संतुलित वितरण सुनिश्चित किया गया है, जिससे अब कोई भी विद्यालय शिक्षक विहीन नहीं है और बच्चों को समान व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिल रहा है।

गौरतलब है कि युक्तियुक्तकरण से पूर्व प्रदेश के कुल 453 विद्यालय शिक्षक विहीन थे। युक्तियुक्तकरण के पश्चात एक भी विद्यालय शिक्षक विहीन नहीं है। इसी प्रकार युक्तियुक्तकरण के बाद प्रदेश के 4,728 एकल-शिक्षकीय विद्यालयों में अतिरिक्त शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। इस कदम से न केवल कक्षाओं का संचालन नियमित हुआ है, बल्कि बच्चों की उपस्थिति और पढ़ाई के प्रति उत्साह में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

इसका सकारात्मक असर सरगुजा जिले के मैनपाट विकासखंड स्थित प्राथमिक शाला बगडीहपारा में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है, जहां हाल ही में दो शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। नवपदस्थ शिक्षक श्री रंजीत खलखो ने बताया कि युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया में उन्हें अपनी पसंद के विद्यालय चुनने का अवसर मिला और उन्होंने दूरस्थ बगडीहपारा को इसलिए चुना क्योंकि वे ग्रामीण अंचलों के बच्चों को शिक्षित करना अपना दायित्व और सौभाग्य मानते हैं।

युक्तियुक्तकरण से स्कूलों में बढ़ी शिक्षा की गुणवत्ता, बच्चों का उज्ज्वल हो रहा भविष्य

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की महत्वकांक्षी युक्तियुक्तकरण नीति ने ग्रामीण अंचलों के स्कूलों में शिक्षा की तस्वीर बदल दी है। जिन स्कूलों में पहले शिक्षक की कमी से पढ़ाई प्रभावित होती थी, वहां अब नियमित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुचारू रूप से संचालित हो रही है।

दुर्ग जिले के हनोदा गांव का प्राथमिक स्कूल इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है। पहली से पांचवीं तक की कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चों को पहले पर्याप्त शिक्षक नहीं मिलते थे। एक समय तो स्थिति यह थी कि एक मानदेय शिक्षक सभी विषय पढ़ाने की जिम्मेदारी निभा रही थीं, जिससे सभी कक्षाओं में समान रूप से पढ़ाई कराना संभव नहीं हो पाता था। लेकिन युक्तियुक्तकरण के तहत इस स्कूल में तीन नए शिक्षकों की नियुक्ति होने के बाद हालात पूरी तरह बदल गए हैं। अब प्रत्येक कक्षा के लिए अलग-अलग शिक्षक उपलब्ध हैं और बच्चों को विषयवार पढ़ाई मिल रही है। स्कूल प्रभारी श्रीमती सरोजनी वर्मा ने बताया कि इस पहल से स्कूल में सकारात्मक बदलाव आए हैं। उन्होंने गर्व से कहा हनोदा स्कूल के तीन विद्यार्थियों का चयन नवोदय विद्यालय में हुआ है, जो यहां की गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था का प्रमाण है।

विद्यालय में कमजोर छात्रों के लिए विशेष कक्षाएं आयोजित की जाती हैं, जिनमें उनकी बुनियादी जानकारी को मजबूत किया जाता है। बच्चों की लगन और अनुशासन का अंदाज़ा इसी से लगाया जा सकता है कि वे नियमित रूप से होमवर्क पूरा कर लाते हैं। इतना ही नहीं, अभिभावक भी शिक्षा के प्रति सजग हैं और यदि बच्चों को होमवर्क नहीं दिया जाता तो स्वयं विद्यालय आकर कारण पूछते हैं। ग्रामीण अंचलों के कई स्कूलों में हनोदा की तरह हुए ये बदलाव इस बात का प्रमाण हैं कि युक्तियुक्तकरण केवल शिक्षक पुनर्वितरण का कदम नहीं, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों के भविष्य को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प है।

नक्सली मुठभेड़ में 2 जवान घायल

जगदलपुर। बस्तर संभाग के बीजापुर जिले में आज सुबह पुलिस व नक्सलियों के मध्य हुयी मुठभेड़ में दो जवान घायल हो गये, दोनों घायल जवानों की हालत सामान्य है और वे खतरे से बाहर हैं। घायल जवानों को प्राथमिक उपचार उपरान्त बेहतर उपचार के लिए रायपुर रेफर किया गया है। इधर पुलिस ने मुठभेड़ में कई नक्सलियों के मारे जाने तथा घायल होने का दावा किया है। आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि गंगालूर थाने से डीआरजी की टीम माओवादी विरोधी अभियान पर रवाना की गयी थी । जंगल में घात लगाए नक्सलियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फौरन मोर्चा संभालते हुए गोलीबारी की। लगभग एक घंटे की मुठभेड़ बाद अंततः नक्सली घने जंगल और पहाड़ी की आड़ लेकर भाग गए।

विभागों में नवाचार को बढ़ावा दें,पीएम आवास निर्माण समयसीमा में पूर्ण करें, गुणवत्ता पर विशेष जोर : विजय शर्मा

दुर्ग। दुर्ग जिले के प्रभारी मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज लोक निर्माण विभाग कार्यालय, दुर्ग के सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि विभागों में नवाचार को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी ऐसे कारगर और प्रभावी नवाचार करें, जिनसे विभागीय कार्य खुद अपनी गुणवत्ता और उपलब्धियों के माध्यम से प्रदर्शित हों, ताकि कार्यों के लिए अलग से सफाई या औपचारिकता की जरूरत न पड़े। उन्होंने जोर देकर कहा कि क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के पत्र और सुझावों को गंभीरता से लिया जाए, क्योंकि वे जनता के बीच रहकर वास्तविक स्थिति और जरूरतों से अवगत होते हैं।बैठक में दुर्ग ग्रामीण विधायक श्री ललित चन्द्राकर, दुर्ग शहर विधायक श्री गजेन्द्र यादव, वैशाली नगर विधायक श्री रिकेश सेन, साजा विधायक श्री ईश्वर साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे सहित वरिष्ठ जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद थे।

प्रभारी मंत्री श्री शर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ तय समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्मित आवासों का अवलोकन जिला पंचायत के अधिकारियों, महाविद्यालयों के विद्यार्थियों, विधायकों एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ किया जाए, ताकि हितग्राहियों से सीधे प्रतिक्रिया प्राप्त की जा सके। नगरीय निकायों में कचरा निष्पादन के लिए जनप्रतिनिधियों के सुझाव के आधार पर प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने तथा गौ अभ्यारण्य हेतु वन और पशुपालन विभाग द्वारा जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर तय स्थान पर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।उन्होंने सट्टा और नशे की सामाजिक बुराइयों पर सख्त कार्रवाई करने, पंचायत, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग और सामाजिक संस्थाओं के समन्वित प्रयास से जनजागरूकता अभियान चलाने, गौवंश तस्करी पर पूर्ण रोक लगाने और घुसपैठियों पर निगरानी के साथ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साइबर क्राइम नियंत्रण में स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। अविवादित राजस्व प्रकरणों का पंचायत स्तर पर निपटारा करने और आरआई सर्किलों में राजस्व शिविर आयोजित कर लंबित मामलों का समाधान करने पर जोर दिया।

स्वास्थ्य विभाग को प्रधानमंत्री वय वंदना योजना पर विशेष ध्यान देने और कृषि विभाग को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ जिले के सभी किसानों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। साथ ही दहलन-तिलहन फसलों की पैदावारी बढ़ाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने तथा पशु चिकित्सा विभाग द्वारा मोबाइल वैन से पशुओं के त्वरित उपचार की व्यवस्था को और सुदृढ़ करने पर बल दिया।उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर देते हुए जल जीवन मिशन के तहत ग्राम पंचायतों में सीसी रोड निर्माण पूर्ण होने के बाद कार्य योजना को पंचायत को हस्तांतरित करने को कहा। बैठक में यह जानकारी दी गई कि जिले में अब तक 28,476 आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि 1,764 सोखपिट हितग्राहियों ने स्वयं अपने स्तर पर बनाए हैं। निर्माणाधीन आवासों में 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत 1,00,411 पौधरोपण किया गया है। जिले में 16 अटल डिजिटल सुविधा केंद्र निर्माणाधीन हैं और 72 बर्तन बैंक स्थापित हो चुके हैं।आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत 14.97 लाख हितग्राहियों का पंजीयन पूर्ण किया गया है, जबकि प्रधानमंत्री वय वंदना योजना में 27,366 पंजीयन हुए हैं। ऑनलाइन परामर्श से 2,148 हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं को लाभ मिला है और जिले में 47 प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र संचालित हो रहे हैं। स्वामित्व योजना के तहत 381 ग्रामों का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और 339 ग्रामों के जियो-रेफरेंसिंग कार्य भी संपन्न हो चुके हैं।प्रधानमंत्री सूर्य घर मुक्त बिजली योजना के तहत जिले में 3,854 पंजीयन हुए हैं और 804 सौर पैनल स्थापित किए जा चुके हैं। बैठक के प्रारंभ में पिछली बैठक की कार्यवाही की समीक्षा की गई और विधायकों द्वारा आवश्यक सुझाव भी प्रस्तुत किए गए।

प्रोजेक्ट धड़कन : आंगनबाड़ी व विद्यालयों में नि :शुल्क हृदय रोग जांच अभियान जारी

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जिला प्रशासन रायपुर की नवाचारी पहल प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत आज शासकीय आडवाणी आर्लिकन स्कूल एवं गवर्मेंट इंग्लिश मीडियम स्कूल, बीरगांव में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बच्चों के जन्मजात हृदय रोग की प्रारंभिक पहचान हेतु स्क्रीनिंग की गई।

आडवाणी आर्लिकन स्कूल में 73 बच्चों (15 छात्र एवं 58 छात्राएं) की जांच की गई, जिसमें कोई भी बच्चा संदिग्ध नहीं पाया गया। वहीं, गवर्मेंट इंग्लिश मीडियम स्कूल, बीरगांव में 127 बच्चों (44 छात्र एवं 83 छात्राएं) की स्क्रीनिंग की गई और सभी बच्चे स्वस्थ पाए गए।

प्रोजेक्ट धड़कन का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों एवं शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों में जन्मजात हृदय रोग के लक्षणों की प्रारंभिक पहचान, जांच एवं निःशुल्क उपचार सुनिश्चित करना है। तेज धड़कन, वजन न बढ़ना, शरीर में नीलापन, बार-बार सर्दी-खांसी, सांस लेने में तकलीफ तथा स्तनपान के समय पसीना आना जैसे लक्षणों के आधार पर बच्चों की जांच की जाती है। इस अवसर पर आडवाणी आर्लिकन स्कूल के प्राचार्य श्री मुकेश सिरमौर एवं शासकीय इंग्लिश मीडियम स्कूल, बीरगांव की प्राचार्या श्रीमती सुनीता साहू उपस्थित रहे।

वर्ष 2025-26 में 11 लाख 56 हजार 970 लोगों का किया गया सर्वेक्षण

3925 मोतियाबिंद के मरीजों की रायगढ जिले में हुई पहचान, हजारों आंखों की लौटी रोशनी

रायपुर। राष्ट्रीय अंधत्व एवं अल्प दृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम के प्रभावी संचालन से कभी धुंधलेपन और अंधेरे में घिरा जीवन, अब चमकती रोशनी और नई उम्मीदों से भरा हुआ है। यह बदलाव कलेक्टर रायगढ़ के मार्गदर्शन में जिले में सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि 29 नेत्र सहायक अधिकारियों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और मितानिनों के सहयोग से राष्ट्रीय अंधत्व एवं अल्प दृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सत्र 2025-26 में जिले के 11 लाख 56 हजार 970 लोगों का सर्वेक्षण किया गया। इस व्यापक अभियान में 3925 मोतियाबिंद के मरीजों की पहचान हुई, जिनमें 314 दोनों आंखों से, 3604 एक आंख से और 7 बच्चे जन्मजात मोतियाबिंद से पीड़ित पाए गए। जुलाई 2025 तक 1002 मरीजों के सफल ऑपरेशन हुए, जिनमें 183 दोनों आंखों के, 815 एक आंख के और 4 जन्मजात मोतियाबिंद के बच्चे शामिल रहे। प्रत्येक ऑपरेशन ने किसी न किसी के जीवन में फिर से उजाला भर दिया।

दूरस्थ अंचलों के बच्चों की दृष्टि के लिए विशेष प्रयास: विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए यूनिक आईडी कार्ड और दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने हेतु विशेष शिविर आयोजित किए गए, इसमें बाकारूमा और घरघोड़ा के बच्चों के माता-पिता को ऑपरेशन के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया गया, जिसके सफल इलाज के बाद उनकी आंखों की ज्योति लौट आई। स्कूल हेल्थ प्रोग्राम के तहत माह जुलाई तक 136 शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के 6586 विद्यार्थियों का नेत्र परीक्षण किया गया, इनमें 318 बच्चे दृष्टिदोष से पीड़ित पाए गए और उन्हें आवश्यकता अनुसार निःशुल्क चश्में प्रदान किए गए। कार्यक्रम के तहत विशेष रूप से दूरस्थ विकासखंडों और जनजातीय एवं पिछड़े क्षेत्र के बच्चों का नेत्र परीक्षण किया गया। इनमें धरमजयगढ़ के ग्राम सूपकोना के 13 वर्षीय अनूप प्रकाश राठिया, रैरूमाखुर्द की 6 वर्षीय पूर्णिमा राठिया, घरघोड़ा के ग्राम बटूराकछार के 11 वर्षीय परदेशी यादव और रायगढ़ के कबीर चौक की 13 वर्षीय कुमारी दृष्टि राय का सफल मोतियाबिंद ऑपरेशन हुआ। अब ये बच्चे पहले की तरह साफ-साफ देख पा रहे हैं और पढ़ाई में अपना भविष्य संवार रहे हैं।

किसानों ने धान बिक्री व खाद वितरण केंद्र पुन: सेलूद में स्थानांतरित करने की मांग की

किसानों ने सिंचाई के लिए नहर से पानी देने आवेदन दिया

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर श्री उत्तम ध्रुव एवं डिप्टी कलेक्टर श्री हितेश पिस्दा ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 104 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्राम पंचायत मुड़पार के किसानों ने धान बिक्री एवं खाद उठाव के लिए सेवा सहकारी समिति को पुनः सेलूद में स्थानांतरित करने की मांग की। किसानों ने बताया कि पूर्व में धान बिक्री एवं खाद उठाव सेवा सहकारी समिति सेलूद में किया जा रहा था, किंतु वर्तमान में यह कार्य अचानकपुर समिति से किया जा रहा है, जो मुड़पार ग्राम से अधिक दूरी पर है, जिससे किसानों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। मुड़पार से सेलूद दो किलोमीटर की दूरी पर है, जबकि अचानकपुर की दूरी अधिक होने के कारण समय व परिवहन खर्च दोनों बढ़ गया है। किसानों ने मांग की है कि सेवा सहकारी समिति सेलूद में ही धान बिक्री एवं खाद वितरण की व्यवस्था पुनः की जाए। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने डिप्टी रजिस्टार सहकारी सोसायटी को आवश्यक निराकरण करने को कहा।

नगर पंचायत उतई पार्षद ने किसानों को सिंचाई के लिए नहर से पानी देने आवेदन दिया। किसानों ने बताया कि विगत 15-20 दिनों से बारिश नहीं होने के कारण खेत सूखने लगे हैं और धान की फसलें मुरझाने लगी हैं। खेतों में दरारें पड़ रही हैं, जिससे खाद व दवाई डालना भी संभव नहीं हो पा रहा है। किसानों ने ताण्डुला जलाशय से उतई, करगाडीह, पुरई, पाऊवारा, कोकडी, कोडिया, हनोदा, खम्हरिया, उमरपोटी, बोरीगारका व बोरीडीह गांवों में जल्द से जल्द सिंचाई के लिए नहर का पानी छोड़े जाने की मांग की है। पानी नहीं मिलने से फसले नष्ट हो रहे हैं।

हर घर तिरंगा अभियान में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

उपमुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से फ्हर घर तिरंगाफ्र लगाने की अपील

रायपुर। माननीय यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर चलाए जा रहे हर घर तिरंगा स॥ड्डह्लद्धड्डह्लज्ञद्बह्लड्डठ्ठदड्ड अभियान के अंतर्गत उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज अपने रायपुर स्थित आवास पर तिरंगा लगाकर आजादी के अमृत महोत्सव में सहभागिता की। उन्होंने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को संदेश देते हुए कहा कि तिरंगा हमारे देश की आन, बान और शान का प्रतीक है और यह हम सभी को एकता, साहस और बलिदान की याद दिलाता है।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने प्रदेश के सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ें, अपने-अपने घरों पर तिरंगा लगाएं और इस ऐतिहासिक पहल को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि तिरंगा लगाना केवल देशभक्ति का प्रतीक नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान देने वाले वीरों के प्रति कृतज्ञता का भाव भी है। उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि वे अपने तिरंगे के साथ फोटो लेकर स॥ड्डह्लद्धड्डह्लज्ञद्बह्लड्डठ्ठदड्ड अभियान का हिस्सा बनें और इसे

पिज्जा डिलिवरी ब्वॉय की हत्या की घटना को अंजाम देने वाला आरोपी पप्पू यादव गिरफ्तार

रायपुर। प्रार्थी देवेन्द्र भोलावे ने थाना डी.डी.नगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह सांस्कृतिक भवन के पीछे न्यू चंगोराभाठा अयोध्या नगर रायपुर में रहता है तथा करीबन 08 वर्ष में पेसिफिक वर्क फोर्स में कार्य करता है साथ ही उसके साथ हेमंत कुमार भी कार्य करता है, जो पेसिफिक वर्क फोर्स में डिलवरी ब्वॉय का कार्य करता है। दिनांक 10.08.2025 को कन्हैया ध्रुव निवासी बिजली आफिस के पास चंगोराभाठा के द्वारा पिज्जा का ऑर्डर किया गया था, जिसे प्रार्थी ने हेमंत कुमार को पिज्जा डिलिवरी करने के लिए भेजा था, समय अधिक हो जाने पर प्रार्थी ने अपने मोबाईल फोन से हेमंत कुमार के मोबाईल फोन पर सम्पर्क किया तब एक लड़के ने हेमंत कुमार का फोन को उठाया और बताया कि आपके डिलिवरी ब्वॉय को पप्पु यादव ने चाकू मारकर फरार हो गया है, डिलिवरी ब्वॉय को एम्स अस्पताल में ईलाज हेतु भर्ती कराये है जहां ईलाज के दौरान हेमंत कुमार की मृत्यु हो गई। जिस पर आरोपी के विरूद्ध थाना डी.डी.नगर में अपराध क्रमांक 335/25 109(1), 103(1) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

हत्या की घटना को उमनि एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पश्चिम श्री डी.आर. पोर्ते, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राईम श्री संदीप मित्तल, नगर पुलिस अधीक्षक पुरानी बस्ती श्री राजेश देवांगन, उप पुलिस अधीक्षक क्राईम श्री संजय सिंह, प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना प्रभारी ड़ी.डी.नगर को आरोपी की पतासाजी कर जल्द से जल्द गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना डी.डी.नगर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थी सहित आस-पास के लोगों से विस्तृत पूछताछ करते हुए प्रकरण में आरोपी पप्पू यादव की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)